राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

इब्राहिम अली खान की पहली फिल्म...8

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

बुधवार, 30 नवंबर 2022 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 09 अंकः 340 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

–::ग्लोबल टेक्नोलॉजी समिट::– हमने इंडो पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क पर काम शुरू कर दिया: एस जयशंकर

नई दिल्ली। ग्लोबल टेक्नोलॉजी समिट 2022 में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि हमारा डेटा कहां जा रहा है यह अब व्यवसाय और अर्थशास्त्र का नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का विषय है। हमारी इस दुनिया में हर चीज को हथियार बनाया जा रहा है, हमें अपना दृष्टिकोण बदलना होगा कि अपने हितों की रक्षा कहां करनी चाहिए। भारत का विकास

में भारत को विश्वसनीय की अवधारणा से देखा जाता है। मुझे लगता है कि हम आने वाले दिनों में डिजिटल पक्ष पर भी भारत की विश्वसनीय के बारे में सुनेंगे।

ए स जयशंकर ने कहा कि हमारा डेटा कहां जा रहा है यह अब व्यवसाय और अर्थशास्त्र का नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का विषय है। हमारी इस दुनिया में हर चीज को हथियार बनाया जा रहा है, हमें अपना दृष्टिकोण बदलना होगा कि अपने हितों की रक्षा कहां करनी चाहिए। हमने इंडो पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क पर काम शुरू कर दिया है। अमेरिका इसके लिए आगे आ रहा है। इसमें तकनीक और आपूर्ति श्रृंखला मूल तत्व हैं। इसपर विभिन्न साझेदारों जैसे प्च्थ् और क्वाड की बहुत सारी द्विपक्षीय चर्चाएँ हुई हैं। बड़ी बहसें हमारे अपने देश में चल रही हैं।

हिंदू एकता मंच के कार्यक्रम में हंगामा, श्रद्धा की हत्या के खिलाफ आयोजित सभा में महिला ने शख्स को चप्पल से पीटा

नई दिल्ली। देशभर में श्रद्धा मर्डर केस को लेकर लगातार चर्चा हो रही है। कुछ हिंदू संगठन इसे लव जिहाद से भी जोड़ रहे हैं। इसका सबसे बड़ा कारण यह भी है कि श्रद्धा अपने पार्टनर आफताब अमीन पूनावाला के साथ रह रही थी। अफताब पर ही श्रद्धा के हत्या का आरोप है। इन सबके बीच श्रद्धा की हत्या के विरोध में हिंदू एकता मंच की ओर से एक महापंचायत का आयोजन किया गया था। इस दौरान मंच पर ही बवाल हो गया। दरअसल, एक महिला मंच पर पहुंचीं और वहां मौजूद एक शख्स पर चप्पल से प्रहार करना शुरू कर दिया। हालांकि, मंच पर मौजूद कुछ अन्य लोगों ने बीच–बचाव किया और मामला तब जाकर शांत हुआ। पूरा मामला दिल्ली के छतरपुर इलाके का है। यह महापंचायत उसी इलाके में रखी

गई थी, जहां आफताब में श्रद्धा की हत्या की थी। इस कार्यक्रम को बेटी बचाओ फाउंडेशन ने भी अपना समर्थन दिया था। बताया जा रहा है कि महिला अपनी शिकायत से अवगत कराने के लिए मंच पर पहुंची थी, तभी उसे एक शख्स ने धक्का देकर माइक से हटाने की कोशिश की। इस दौरान महिला काफी गुस्से में आ गई। उसने चप्पल से शख्स की पिटाई शुरू कर दी। आपको बता दें कि आफताब ने 18 मई को श्रद्धा की गला दबाकर हत्या करने के बाद उसके शव को कई टुकड़ों में काटकर अलग–अलग जगहों पर फेंक किया था। दूसरी ओर दिल्ली की एक अदालत ने रोहिणी स्थित विधि विज्ञान प्रयोगशाला (एफएससी) में आफताब अमीन पूनावाला की नार्को जांच कराने की मंगलवार को अनुमति दे दी। पूनावाला के वकील अबिनाश कुमार ने बताया कि पुलिस ने आरोपी को एक दिसंबर और पांच दिसंबर को रोहिणी स्थित प्रयोगशाला ले जाने की अनुमति दिए जाने का अनुरोध किया था, जिसे अदालत ने मंजूर कर लिया। पूनावाला (28) पर अपनी 'लिव–इन पार्टनर' श्रद्धा वालकर की हत्या करने और उसके शव के 35 टुकड़े करने का आरोप है।

आतंकी गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई जारी, अमृतसर में बीएसएफ ने एक और पाक ड्रोन को मार गिराया

नई दिल्ली। आतंकी गतिविधियों पर अपनी कार्रवाई जारी रखते हुए, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पंजाब के अमृतसर जिले में पाकिस्तान से आए एक और ड्रोन को मार गिराया है। क्षेत्र में इसी तरह की घटनाओं की लतगातार सूचना मिल रही हैं।अधिकारियों ने बताया कि चहरपुर गांव के पास भारतीय क्षेत्र में ड्रोन को घुसते हुए देखने के बाद सैनिकों ने उस पर गोलीबारी की, जिससे तस्करी के एक और प्रयास को विफल कर दिया गया।

सीमा पर तैनात बीएसएफ के जवानों ने अमृतसर के चाहरपुर के पास पड़ने वाले इलाके में पाकिस्तान से भारतीय क्षेत्र में एक संदिग्ध ड्रोन के प्रवेश करने की भनभनाहट सुनी। जवानों ने फायरिंग कर संदिग्ध ड्रोन को रोकने की कोशिश की,

जिसके बाद गोली ड्रोन को लगी और वह जमीन पर गिर गया। इलाके की घेराबंदी कर दी गई और पुलिस और अन्य संबंधित एजेंसियों को तुरंत अलर्ट कर दिया गया। इसके अलावा, प्रारंभिक खोज के दौरान, बीएसएफ ने आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त स्थिति में एक हेक्साकॉप्टर बरामद किया, जिसके नीचे सफेद रंग की पॉलिथीन में एक संदिग्ध वस्तु लगी हुई थी, जो चाहरपुर गांव के पास सीमा की बाड़ के पास खेती के खेत में पड़ी थी।

प्रभाकर जोशी, बीएसएफ डीआईजी, गुरदासपुर ने आईबी बाड़ के भारतीय हिस्से में एक खेती के मैदान में सफेद रंग के पॉलीथीन में एक संदिग्ध वस्तु के साथ एक हेक्साकॉप्टर लाने वाले बीएसएफ कर्मियों को सम्मानित किया। बीएसएफ ने 26 नवंबर को पंजाब के अमृतसर में भारत–पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एक पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया था। उसी दिन पंजाब के पठानकोट में सीमा के पास दो घुसपैठियों को देखे जाने के बाद बीएसएफ ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया था। बीएसएफ के जवानों ने दो पाकिस्तानी घुसपैठियों की हरकत रिकॉर्ड की। वहां लगे थर्मल कैमरे में पाकिस्तानी घुसपैठियों की हरकत कैद हो गई। विशेष रूप से, 2021 की तुलना में भारतीय क्षेत्र में पाकिस्तानी ड्रोनों की घुसपैठ में वृद्धि हुई है। इस वर्ष सीमा पर लगभग 230 ड्रोन देखे गए हैं, जबकि 2021 में यह आंकड़ा 104 था।

भाजपा ने काम किया होता तो बड़े नेताओं को प्रचार में उतारने की जरूरत न पड़ती: केजरीवाल

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर पार्टी ने नगर निगम में अपने शासन के दौरान काम किया होता तो उसे प्रचार अभियान में अपने कई मुख्यमंत्रियों और केंद्रीय मंत्रियों की जरूरत नहीं पड़ती। उन्होंने चार दिसंबर को होने वाले नगर निगम चुनाव से पहले चिराग दिल्ली इलाके में आम आदमी पार्टी (आप) के लिए घर–घर जाकर प्रचार करने के दौरान स्थानीय निवासियों से चर्चा करते हुए यह बात कही। दिल्ली नगर

निगम (एमसीडी) चुनाव के लिए चार दिसंबर को मतदान होना है। 'आप' और भाजपा दोनों पार्टियां चुनाव में अपनी–अपनी जीत का दावा कर रही हैं। केजरीवाल ने दावा किया, "शहर में हर जगह कचरा है। सत्ता में आने पर मैं शहर को साफ कर दूंगा। भाजपा मुझे दिन–रात गाली देती है। हमने पानी की व्यवस्था की है, हम कचरा निपटान की भी जिम्मेदारी लेंगे। 'आप' को एक मौका दें, हम शहर को पहले की तरह साफ बनाएंगे।" केजरीवाल ने स्थानीय निवासियों से कहा, "हम दिल्ली को चमका देंगे।" प्रचार अभियान के दौरान कई मंत्री भी मुख्यमंत्री के साथ थे। नगर निगम चुनाव प्रचार अभियान में भाजपा की तरफ से कई मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री उतारे जाने पर केजरीवाल ने कहा, "मैंने भाजपा को एक नगरपालिका के चुनाव में मुख्यमंत्रियों और कई केंद्रीय मंत्रियों को मैदान में उतारते देखा है।

इजराइली फिल्मकार की टिप्पणी को लेकर कांग्रेस ने साधा मोदी सरकार पर निशाना

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने 53वें भारत अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (इफ्फी) के जूरी प्रमुख नदव लापिद द्वारा हिंदी फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' को 'दुष्प्रचार करने वाली' और 'भद्दी' फिल्म बताये जाने के बाद मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि नफरत को आखिरकार पहचान ही लिया जाता है। पार्टी प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने ट्वीट किया, प्रधानमंत्री मोदी, उनकी सरकार और भाजपा और उनके पूरे तंत्र ने द कश्मीर फाइल्स का प्रचार–प्रसार किया। इफ्फी द्वारा फिल्म को खारिज कर दिया गया। जूरी प्रमुख नदव लापिद ने इसे दुष्प्रचार, भद्दा करार दिया और इसे फिल्म महोत्सव के लिए

अनुचित बताया। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, नफरत को आखिरकार नकारा ही जाता है। कांग्रेस प्रवक्ता शमा मोहम्मद ने दावा किया कि सरकार के स्तर से इस फिल्म का प्रचार हुआ और नतीजा यह हुआ कि अंतरारष्ट्रीय स्तर पर देश को शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा। गौरतलब है कि 53वें भारत अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (इफ्फी) के जूरी प्रमुख और इजराइली फिल्मकार नदव लापिद ने हिंदी फिल्म ' द कश्मीर फाइल्स' को सोमवार को 'दुष्प्रचार करने वाली' और 'भद्दी' फिल्म बताया। इफ्फी 2022 के समापन समारोह को संबोधित करते हुए लापिद ने कहा कि फिल्म समारोह में इस फिल्म का प्रदर्शन किए जाने से वह 'परेशान और हैरान' हैं।

कोविड–19 वैक्सीन लगवाने से हुई मौतों के लिए सरकार जिम्मेदार नहीं केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में दिया जवाब

नई दिल्ली। कोरोना टीकाकरण से हुए प्रभाव के लिए सरकार को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट (नचतमउम ब्वनतज)में हलफनामा दायर करके ये बात कही है। केंद्र ने कहा कि टीके के कारण हुई मौत के मामलों के लिए सिविल कोर्ट में मुकदमा दायर कर मुआवजे की मांग की जा सकती है। केंद्र ने ये भी कहा कि मृतकों और परिजनों के प्रति उनकी संवेदनाएं है, लेकिन टीके के किसी भी प्रतिकूल प्रभाव के लिए सरकार को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। केंद्र ने इस बात पर भी जोर दिया कि कोविड–19 के

टीके लगवाने को लेकर कोई भी कानूनी बाध्यता नहीं है। सरकार को जिम्मेदार ठहराना गलतः कोविड वैक्सीन के साइड–इफेक्ट्स के कारण दो बेटियों की मौत पर माता–पिता द्वारा दाखिल की गई याचिका पर केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट को अपनी ये प्रतिक्रिया दी है। स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्रालय ने एक हलफनामे में कहा, वैक्सीन के इस्तेमाल से होने वाली मौतों को लेकर मुआवजा देने के लिए राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराया नहीं जा सकता है। ऐसा करना कानूनी तौर पर गलत होगा। केंद्र सरकार ने दो बेटियों की मौत पर अपनी गहरी संवेदनाएं भी व्यक्त की और कहा कि एडवर्स इफेक्ट फॉलोइंग इम्युनाइजेशन समिति (।म्थ्) की जांच में टीके से हुई मौत का केवल एक ही मामला सामने आया है। दूसरी मौतें टीके के प्रभाव से नहीं हुई। स्वास्थ्य मंत्रालय ने मुआवजे की मांग की खारिजः बता दें कि स्वास्थ्य मंत्रालय ने मुआवजे की मांग को लेकर दायर की गई याचिका को खारिज कर दिया है।

महाराष्ट्र में पुलिस हिरासत से भागा हत्या का आरोपी गिरफ्तार

मुंबई। महाराष्ट्र के पालघर जिले में पुलिस की हिरासत से भागे हत्या के एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। विरार अपराध इकाई के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक प्रमोद बदख ने बताया कि 36 वर्षीय आरोपी को 27 जुलाई, 2021 को विरार इलाके में एक बैंक लॉकर में डकैती के बाद हत्या करने और हत्या का प्रयास करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अधिकारी ने बताया कि उसे इस साल 25 नवंबर को ठाणे केंद्रीय कारागार से वसई की एक अदालत में लाया गया था, जहां से आरोपी अपने एक दोस्त की मदद से पुलिस हिरासत से फरार हो गया था। उन्होंने कहा कि अपराध शाखा ने विभिन्न सुरागों की मदद से उसे और उसके 42 वर्षीय मित्र को रविवार को नालासोपारा इलाके से गिरफ्तार कर लिया।

नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने चीनी कंपनी के सड़क प्रोजेक्ट पर लगाई रोक, भारतीय कंपनी ने किया है केस

बीजिंग। चीन की विस्तारवादी नीति से तो हर देश भलि–भांति वाकिफ है। पड़ोसी देशों की जमीन को कब्जाने की उसकी नीति हमेशा से दुनिया के सामने आती रही है। बात चाहे बांग्लादेश की तीस्ता रिवर में जासूसी जहाज तैनात करने की हो या नेपाल के अहम सड़क परियोजनाएं। लेकिन नेपाल की सुप्रीम कोर्ट से चीन को करारा झटका लगा है और उसे भारत की कूटनीतिक जीत के रूप में भी देखा जा रहा है। दरअसल, नेपाल की सुप्रीम कोर्ट ने चीन के सड़क परियोजना पर रोक लगा दी है। इस प्रोजेक्ट को नेपाल आर्मी की तरफ से चाइना फर्स्ट हाइवे इंजीनियर को दिया गया था। नेपाल के सुप्रीम कोर्ट

ने नेपाल सेना द्वारा चाइना फर्स्ट हाईवे इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड को 1,500 करोड़ से अधिक के सड़क निर्माण के ठेके पर रोक लगा दी और चर्चा के लिए सभी पक्षों को बुलाया है। बोली लगाने वालों में से एक, भारत की एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की याचिका पर अदालत का आदेश आया। काठमांडू तराई–मधेश एक्सप्रेसवे परियोजना के लिए बोली की पारदर्शिता को लेकर चिंताएँ थीं, जिसे नेपाल सेना द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है। परियोजना को संवेदनशील माना जाता है क्योंकि एक हिस्सा भारतीय सीमा के करीब स्थित होगा। चाइना फर्स्ट हाईवे इंजीनियरिंग उन पांच कंपनियों में से नहीं थी जो सितंबर में परियोजना के लिए बोली लगाने के लिए योग्य थी, और इसे सबसे कम बोली लगाने वाले घोषित किए जाने से एक दिन पहले 6 नवंबर को शामिल किया गया था। लोगों ने बताया कि इस दौरान परियोजना को संभालने वाले नेपाल सेना के अधिकारी को भी बदल दिया गया। चीनी पक्ष बांग्लादेश सरकार पर तीस्ता नदी की नौवहन क्षमता में सुधार करने के लिए एक महत्वपूर्ण परियोजना में भूमिका के लिए जोर दे रहा है।

सांसद ब्रज भूषण सिंह ने दलिया प्लाण्ट का किया उदघाटन

बहराइच। मुख्य अतिथि सांसद कैसरगंज बृजभूषण शरण सिंह द्वारा जिलाधिकारी डॉ दिनेश चन्द्र, पुलिस अधीक्षक केशव कुमार चौधरी, प्रमुख हुजूरपुर अजीत प्रताप सिंह, सांसद कैसरगंज प्रतिनिधि सुनील सिंह, पूर्व प्रमुख मुन्ना सिंह व अन्य अतिथियों के साथ फखरपुर क्षेत्र में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अन्तर्गत प्रयास प्रेरणा महिला लघु उद्योग हैबतपुर में स्थापित दलिया प्लांट का उदघाटन किया गया। इसके अलावा ग्राम हैबतपुर के पंडितपुरवा में हाट बाजार का भी शिलान्यास भी किया गया। सांसद श्री सिंह ने श्रीरामजानकी हनुमान मंदिर बटुरहा के जीर्णोद्धार कार्य का भी उद्घाटन किया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए सांसद श्री सिंह ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने की टिप्स दिया। सांसद श्री सिंह ने कहा राज्य व केन्द्र सरकार द्वारा महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने के उद्देश्य से अनेको योजनाएं संचालित की जा रही है। जो काम कभी उद्योग पति करते थे वह काम हमारे क्षेत्र की बहन बेटियां करेंगी। उन्होंने कहा कि अब बहन बेटियों के द्वारा शुद्ध पोषाहार तैयार किया जायेगा। जो आंगनबाड़ी केंद्रों पर नौनिहाल बच्चों व गर्भवती महिलाओं को मिलेगा। स्वयं सहायता समूह की महिलाएं इसमें काम कर नारी सशक्तिकरण का नारा बुलंद करेंगी। सभी महिलाएं गाय को पालकर दूध, दही, घी, घर पर ही तैयार करें। किसान खुद सब्जी उगायें। देशी आंटा देशी चावल पर विश्वास करें। जिलाधिकारी डॉ चन्द्र ने अपने सम्बोधन में कहा कि विकास के क्षेत्र में महिलाएं बेहतर कार्य कर रही हैं। सभी इसी तरह एकता में रहकर अच्छी आजीविका पर ध्यान दें। उन्होंने कहा कि महिलाएं एक साथ मिलकर स्वावलंबी बनकर समाज गांव के विकास के लिए भी कार्य कर सकती है। जबतक महिलाएं सशक्त नहीं होंगी तब तक गांव का विकास नहीं हो सकता। पुलिस अधीक्षक केशव चौधरी ने कहा कि महिलाएं हर क्षेत्र में काम कर रही हैं। कार्यक्रम के दौरान सांसद श्री सिंह को स्मृति चिन्ह भी भेंट किया गया। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी कैसरगंज महेश कैथल, पुलिस क्षेत्राधिकारी कैसरगंज कमलेश सिंह, खण्ड विकास अधिकारी फखरपुर शैलेन्द्र सिंह सहित प्रधान आनन्द प्रकाश शुक्ल, प्लांट मालिक अजय शुक्ला, अंचल शुक्ल, श्याम जी त्रिपाठी, आदर्श सिंह, मोहन अवस्थी, धर्मेंद्र शुक्ल, रामनरायन यादव सहित अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

जिले में सुरक्षित द्रसव से गोद में गूंजेगी किलकारी

जटिलताओं की त्वरित पहचान के लिए प्रशिक्षित होंगे 60 स्वास्थ्य कर्मी

बहराइच। समय रहते संभावित जटिलताओं की पहचान कर सुरक्षित प्रसव कराने के उद्देश्य से एएनएम, स्टॉफ नर्स, एलएचवी व सीएचओ को 21 दिवसीय एसबीए यानी स्किल्ड बर्थ अटेंडेंट प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मी प्रसूता व जन्मे शिशुओं के संभावित खतरों की पहचान कर न सिर्फ त्वरित इलाज मुहैया कराएंगे बल्कि आवश्यकता पड़ने पर उन्हें उच्च देखभाल वाली स्वास्थ्य इकाइयों पर संदर्भित भी करेंगे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सतीश कुमार सिंह ने बताया कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को बेहतर करने के उद्देश्य से जनपद के तीन प्रथम सन्दर्भन इकाइयों कैसरगंज , नानपारा व पयागपुर में 21 दिवसीय एसबीए प्रशिक्षण स्वास्थ्य कर्मियों को दिया जा रहा है। इसके लिए हर ब्लॉक से प्रसव कक्ष में कार्यरत एएनएम, स्टॉफ नर्स, एलएचवी व सीएचओ सहित 60 स्वास्थ्य कर्मियों को कुल 5 बैचों में प्रशिक्षित किया जा रहा है।बीते प्रथम बैच के कुल 12 स्वास्थ्य कर्मियों का प्रशिक्षण पूरा हो चुका है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पयागपुर में चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रशिक्षक डॉ कविता चौधरी व डॉ रहमतुल निशा ने बताया कि 21 दिवसीय प्रशिक्षण में पांच दिन थ्यौरी क्लास तथा शेष 16 दिन जनपद स्तरीय प्रसव केंद्र में प्रैक्टिकल के माध्यम से स्वास्थ्य कर्मियों को दक्ष किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रसव के समय व प्रसव के बाद होने वाली जटिलताएं कभी–कभी गंभीर है।

प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र भेंट करते हुए पयागपुर सीएचसी अधीक्षक डॉ विकास वर्मा ने बताया कि प्रसव से पहले, प्रसव समय व प्रसव पश्चात प्रसूता की स्थिति का परीक्षण करते हुए संभावित खतरे का आंकलन कर उसी के अनुसार प्रबंधन करना प्रसव कराने वाले स्टॉफ के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात होती है।

प्रशिक्षक व वरिष्ठ महिला रोग विशेषज्ञ डॉ कविता चौधरी,डॉ रहमतुल निशा व स्टाफ नर्स प्रतिभा देवी ने बताया कि प्रसव के 42 सप्ताह तक जटिलताओं के होने की संभावना रहती है।

जानकी पंचमी पर संतों का हुआ सम्मान

–काशी विश्वनाथ व कृष्ण जन्म भूमि को मुक्त कराने हेतु लिया गया संकल्प

अयोध्या। जानकी पंचमी(राम सीता विवाह पर्व) के अवसर पर हिंदू महासभा के तत्वाधान में लक्ष्मण घाट अयोध्या स्थित नया मंदिर शीश महल में संतों और अन्य गणमान्य नागरिकों का सम्मान करते हुए भारत को भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने एवं काशी विश्वनाथ एवं कृष्ण जन्म भूमि को मुक्त कराने हेतु अभियान चलाए जाने का संकल्प लिया गया इस अवसर पर हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अधिवक्ता मनीष पांडेय ने कहा कि भगवान राम चेतना के प्रतीक हैं और माता सीता प्रकृति शक्ति की, अतः चेतना और प्रकृति का मिलन होने से यह दिन अत्यंत ही महत्वपूर्ण हो जाता है और इसे दिन लिया गया कोई भी संकल्प पूर्ण रूप से फलीभूत होता है श्री पांडेय ने यह भी कहा कि हम यह मानते हैं कि ऐसे में जब अयोध्या की पवित्र पावन भूमि पर भव्य राम मंदिर का निर्माण प्रारंभ हो चुका है तो राम भक्तों के लिए राम जन्म भूमि की साधना पूर्ण हुई संतो के नेतृत्व में अब काशी विश्वनाथ और कृष्ण जन्म भूमि को मुक्त कराने हेतु अभियान चलाया जाएगा हिंदू महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं नया मंदिर शीशमहल के महंत रामलोचन शरण शास्त्री राजन बाबा ने जानकी पंचमी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जो व्यक्ति इस दिन राम जानकी का विवाह संपन्न कर आता है उसके जीवन में सुख और समृद्धि का वास होता है उन्होंने कहा कि कृष्ण जन्म भूमि और काशी विश्वनाथ मंदिर को मुक्त कराने हेतु सरकार को गंभीर पहल करनी चाहिए अन्यथा संत समाज आंदोलन के लिए तैयार खड़ा है सरयू तट स्थित राम जानकी हनुमान मंदिर के महंत नारायण दास त्यागी जी महाराज ने कहा कि श्री पंचमी का बड़ा ही पौराणिक महत्व है इसी दिन गोस्वामी तुलसीदास जी द्वारा रामचरितमानस को पूर्ण किया गया था काशी विश्वनाथ और कृष्ण जन्म भूमि को मुक्त कराने के लिए सभी संत एकजुट है इस अवसर पर मंदिर में प्राण प्रतिष्ठित राम दरबार को नए वस्त्रों से सुसज्जित किया गया और फूल मालाओं से आच्छादित किया गया तत्पश्चात उपस्थित सभी राम भक्तों द्वारा रामरक्षा स्त्रोततम तथा सुंदरकांड का पाठ भी किया गया इस अवसर पर प्रमुख रूप से श्री रामजी शरण महंत सेवड़ा मंदिर ,ओम प्रकाश मिश्रा पुजारी बाड़ी मंदिर, रिंकू तिवारी ,राम प्रताप तिवारी, उपेंद्र दास, मोनू शरण ,राम सुभग दास, जितेंद्र कुमार ,अजय शुक्ला, पूनम तिवारी, गुड्डी तिवारी, शकुंतला तिवारी, आदि लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे

पुस्तक महादुर्गा को साहित्यकारों व कवियों ने सराहा

बहराइच । स्थानीय सेनानी भवन सभागार में जिले के सम्मानित साहित्यकारों की उपस्थिति में गत दिनों रूचि मटरेजा द्वारा लिखित पुस्तक महा दुर्गा के विमोचन के बाद उसकी लगातार सराहना की जा रही हैस ज्ञात हो कि वयोवृद्ध गजल कार दिवाकर मिश्र ने मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलित कियासवही भिन्गा से पधारे वयोवृद्ध कवि गया प्रसाद मिश्र मधुकर ने मां सरस्वती को फूल माला समर्पित करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ कियास इस अवसर पर हनुमान पुरी कॉलोनी से आई हुई महिला मंडली ने वाद्य यंत्रों के साथ सरस्वती वंदना और मां दुर्गा के भजनों का प्रस्तुतीकरण करते हुए समा बांधा जिसे लोगों ने खूब सराहास इस पुस्तक विमोचन के पश्चात उपस्थित सभी आगंतुकों को पुस्तक एवं मिठाई पैकेट भेंट किया गया इस कवि गोष्ठी का शुभारंभ विमलेश जयसवाल और गुलाब जयसवाल ने संयुक्त रूप से कियासरूचि मटरेजा द्वारा लिखित पुस्तक महा दुर्गा को लेकर स्थानीय साहित्यकार एवं कवि रामकरण सैलानी अयोध्या प्रसाद शर्मा नवीन धीरज भगवानपुरी दिवाकर मिश्र गोपाल शुक्ला एवं गुलाब जयसवाल ने कहा कि यह पुस्तक दुर्गा जी के भक्तों को उपहार स्वरूप भेंट किया गया हैस उन्होंने बताया कि इस पुस्तक में दुर्गा जी के नौ रूपों की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई है।

शमशान भूमि पर अवैध कब्जेदार के विरुद्ध दर्ज हुआ मुकदमा

मिल्कीपुर–अयोध्या। मिल्कीपुर ब्लॉक क्षेत्र के राजस्व गांव बरईपारा स्थित शमशान के खाते की आरक्षित भूमि पर अवैध कब्जा कर निर्माण करना एक ग्रामवासी को महंगा पड़ गया है। क्षेत्रीय लेखपाल ने अवैध कब्जे दार के खिलाफ कुमारगंज थाने में गंभीर आपराधिक धाराओं में मुकदमा दर्ज करा दिया है। हालांकि पुलिस अभी मामले में आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। राजस्व गांव बरईपारा पर तैनात क्षेत्रीय लेखपाल रवि प्रकाश यादव कुमारगंज पुलिस को तहरीर देते हुए आरोप लगाया है कि राजस्व गांव बरईपारा की गाटा संख्या 194 रक्बा .0101 हेक्टेयर भूमि शमशान के खाते में दर्ज है। जिसके आंशिक भाग पर गांव के ही कालिका प्रसाद पुत्र रामदत्त द्वारा अवैध कब्जा करते हुए पक्का निर्माण किया जा रहा था। जिसको कई बार रोका भी गया। किंतु उनके द्वारा अवैध निर्माण कार्य बंद नहीं किया गया। यही नहीं वह अवैध कब्जा करने से कतई नहीं मान रहे हैं। क्षेत्रीय लेखपाल की तहरीर पर प्रभारी निरीक्षक शिव बालक ने आरोपी अवैध कब्जे दार शिवबालक के विरुद्ध 447 आईपीसी एवं 2ध्3 सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर गहन छानबीन शुरू कर दी है।

पूर्व ब्लाक प्रमुख भूपेन्द्र प्रताप सिंह का निधन

गोसाईगंज–अयोध्या। विकासखंड मया के शेरवा निवासी पूर्व ब्लाक प्रमुख भूपेंद्र प्रताप सिंह बबलू का . रात्रि लगभग 4 बजे दर्शन नगर ट्रामा सेंटर में निधन हो गया। मृदुभाषी मिलन मिलनसार अलौकिक व्यक्तित्व के धनी पूर्व ब्लाक प्रमुख की असामयिक निधन की खबर पूरे क्षेत्र में आग की तरह फैल गई। पूरा क्षेत्र स्तब्ध हो गया। उनका अंतिम संस्कार शेरवा घाट के तराई बाग श्मशान घाट पर किया गया।मुखाग्नि उनके इकलौते पुत्र युवराज ने दी।वंही शोकाकुल परिवार को सांत्वना देने के लिए राजनीतिक हस्तियों सहित तमाम क्षेत्रीय लोगों का तांता लगा रहा।शोकाकुल परिवार को सांत्वना देने के लिए बसपा के वरिष्ठ नेता दिलीप कुमार विमल, तारुन ब्लाक प्रमुख पप्पू सिंह, मलखान सिंह, शिवेंद्र सिंह, डिपुल पांडे, रामसकल यादव, भगवान बक्स सिंह, रामकेवल यादव, सुरेश यादव,पिंकू पांडे, राजाराम राजभर, सोनू पहलवान, मया ब्लॉक के वर्तमान एवं पूर्व प्रधान गण सहित तमाम राजनीतिक हस्तियां और क्षेत्रीय लोगों का तांता लगा रहा।

हिन्दू महासभा 6 दिसम्बर को बलिदानी कारसेवकों को अर्पित करेगी श्रद्धांजलि

अयोध्या। अखिल भारत हिन्दू महासभा ढांचा विध्वंस दिवस को शौर्य दिवस के रूप में मनाएगी । इस अवसर पर हिन्दू महासभा उत्तर प्रदेश के मंत्री अधिवक्ता राकेश दत्त मिश्र के ककरही बाजार स्थित आवास पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है । कार्यक्रम में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर आंदोलन में बलिदान हुए कोठरी बंधुओं सहित समस्त बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया जाएगा । जिलाध्यक्ष रामधन निषाद प्रधान ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश मंत्री राकेश दत्त मिश्र करेंगे । कार्यक्रम में प्रातः 11 बजे हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ कर बलिदानियों के प्रति सम्मान प्रकट कर उनके बलिदान से आम जनता को अवगत करवाने का ऐलान भी किया गया है । उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में एक प्रस्ताव पारित कर बलिदानी रामसेवकों को राजकीय स्तर पर बलिदानी का दर्जा देने और बलिदानियों के परिवार से एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की जाएगी। कार्यक्रम में प्रदेश, जिला कार्यकर्ताओं और प्रकोष्ठों के कार्यकर्ताओं से शामिल होने का आहवान किया गया है ।

150 गरीब कन्याओं का हाथ पीला करायेगा समाज कल्याण विभाग

मिल्कीपुर–अयोध्या।सामूहिक विवाह योजना के तहत समाज कल्याण विभाग 150 गरीब परिवारों की बेटियों के हाथ पीले कराएगा। इसके लिए तैयारियां की जा रही है, 4 दिसंबर को सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन होगा। गरीब परिवार की बेटियों के हाथ पीले कराने के लिए सरकार समाज कल्याण विभाग के जरिए सामूहिक विवाह योजना का संचालन कर रही है। इस योजना के तहत चालू वित्तीय वर्ष में अमानीगंज व मिल्कीपुर विकासखंड के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायतों से 150 बेटियों का विवाह कराने का लक्ष्य मिला है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह का यह कार्यक्रम अमानीगंज ब्लाक मुख्यालय पर किया जाएगा, इस सामूहिक विवाह के आयोजन को लेकर समाज कल्याण विभाग तैयारियों में जुटा है। सामूहिक विवाह योजना के तहत सरकार प्रति लाभार्थी 51000 हजार रुपए खर्च करती है इनमें से 35000 रुपए लड़की के खाते में जमा किए जाते हैं। 10,000 रुपए का बर्तन व जेवर समेत अन्य सामान दिया जाता है और 6000 हजार रूपए विवाह के आयोजन और भोजन पर खर्च किए जाते हैं। जिला समाज कल्याण अधिकारी अयोध्या आर पी सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह 4 दिसंबर को ब्लॉक मुख्यालय अमानीगंज पर आयोजित किया जाएगा सभी गरीब लाभार्थी परिवारों का आवेदन अभी भी लिया जा रहा है मिल्कीपुर ब्लॉक से 75 आवेदन प्राप्त हुए हैं तथा अमानीगंज ब्लॉक क्षेत्र से भी 75 आवेदन प्राप्त हुए हैं कुल 150 आवेदन मिले हैं। अभी भी मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में शामिल होने वाले लाभार्थियों का आवेदन लिया जा रहा है। इस योजना से वंचित हो रहे हो तो तत्काल अपने ब्लॉक के खंड विकास अधिकारी एवं समाज कल्याण अधिकारी से मिलकर अपना आवेदन शामिल करा सकते है।

लता चौक पहुंच अनुराधा पौडवाल ने लता मंगेशकर को दी श्रद्धांजलि

अयोध्या। रामनगरी में आयोजित हो रहे रामायण मेले में शिरकत करने आईं प्रसिद्ध गायिका अनुराधा पौडवाल ने सुबह नयाघाट स्थित लता चौक पहुंचकर सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर को श्रद्धांजलि दी। लता चौक पहुंचने पर महापौर ऋषिकेश उपाध्याय ने उनका स्वागत किया और लता चौक का भ्रमण कराया। लता मंगेश्कर चौक पर लगे शिलापट पर माल्यार्पण के दौरान अनुराधा पौडवाल भावुक हो गईं और लता चौक बनवाने के लिए प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री का आभार जताया। गायिका अनुराधा पौडवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अयोध्या में लता चौक का निर्माण कराकर सुर साम्राज्ञी लता मंगेश्कर को उचित सम्मान दिया है, यह बहुत ही अच्छी बात है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण शुरू हो चुका है, जिसको लेकर लोगों को बहुत ही उत्साह है। उन्होंने कहा कि मैं जब भी अयोध्या आती हूं, रामलला का दर्शन जरूर करती हूं। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया की निगाहें अयोध्या पर हैं, हर किसी के मन में यही जिज्ञासा है कि जल्द राम मंदिर का निर्माण पूरा हो और वह राममंदिर में विराजमान रामलला का दर्शन–पूजन करें। कहा कि अयोध्या का जिस तरह से विकास हो रहा है, आने वाले कुछ सालों में अयोध्या को नई पहचान मिलेगी।

भागवत कथा से मोक्ष और हवन से भौतिक सुखः आत्मानंद

सप्ताहिक कथा ज्ञान यज्ञ की हुई पूर्ण आहूति

बीकापुर–अयोध्या। स्पेक्ट्रम कॉलेज में सप्ताहिक कथा ज्ञान यज्ञ की पूर्ण आहूति संपन्न हुई । पंडित आत्मानंद सरस्वती की देखरेख में कई वेद पाठि ब्राह्मणों द्वारा मंत्रों का पाठ करके प्रमुख यजमान राम किशोर पांडे उनके आईएस पुत्र देवेंद्र पांडे सहित परिवार के सदस्यों ने देवताओं को प्रसन्न करने के लिए विद्यालय के चेयरमैन आनंद सावरण, वाइस चेयरपर्सन डॉ दिव्या एवं प्रिंसिपल नीलकंठ तिवारी एवं विद्यालय के सभी अध्यापक एवं अध्यापिका ने विद्यालय के विकास के लिए सच्चे मन से हवन में पूर्णाहुति डाली हवन को प्रारंभ करने से पूर्व व्यास पीठाधीश्वर आत्मानंद सरस्वती ने साप्ताहिक कथा का सारांश बताते हुए कहा कि भागवत कथा मानवता – आत्मीयता की संजीवनी बूटी है। जात –पात से दूर हटकर प्रेम एवं भाईचारा बनाने के लिए भागवत कथा गंगा जल की तरफ पवित्र जल होना कहते हुए श्री महाराज ने कहा जैसे सभी प्रकार की मिठाई में शक्कर होता है उसी तरह सभी जीवो में ईश्वर होता है महाराज ने कहा बिना जल की मछली नहीं रह सकती उसी तरह बिना संसार में कोई भी जीव बिना ईश्वर के नहीं रह सकता कथा के संदर्भ में बताते हुए कहा कि कथा से मोक्ष का साधन और हवन से भौतिक सुख शांति प्राप्त होना भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें हजारों की संख्या में क्षेत्र के गणमान्य लोग एव अधिकारी भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया है।

श्री राधा सर्वेश्वर भगवान की हुई प्राण प्रतिष्ठा

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या के जानकी घाट स्थित राधा मोहन कुंज में श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। जिसमे आज मंदिर मे श्री राधा सर्वेश्वर भगवान की प्राण प्रतिष्ठा की गईं। इस प्राण प्रतिष्ठा से पहले 208 ब्राह्मणों के द्वारा श्रीमद् भागवत का पाठ करवाया गया है।

इस दौरान दूरदराज से आए बड़ी संख्या में भक्तगणों ने प्रसाद ग्रहण किया।यहां कार्यक्रम 25 नवंबर से 2 दिसम्बर तक निरंतर सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक चलेगा। वही मंदिर में हुई प्राण प्रतिष्ठा की जिसकी जानकारी देते हुए मंदिर के सेवक बालकृष्ण शरण ने बताया कि श्री राधा सर्वेश्वर भगवान की प्राण प्रतिष्ठा की गईं है अयोध्या में राधा कृष्ण भगवान का ऐसा दर्शनीय स्थल कोई नहीं है।और एक निंबारकी की परंपरा का कोई मंदिर नहीं था। पूजा गुरुदेव जी ने जब जगतगुरु बने थे तो उन्होंने प्रथम संकल्प यही लिया था कि अयोध्या में भी श्री राधा कृष्ण का भव्य मंदिर का निर्माण करवाएंगे।उन्होंने बताया कि भगवान श्री राम के विवाह पंचमी के दिन हमारे ठाकुर जी का प्राण प्रतिष्ठा का शुभ मुहूर्त निश्चित किया गया था। जिसकी आज प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। जिसका संस्कार चौनल पर प्रसारण लाइव हो रहा है।यह कथा पूज्य जगतगुरु निंबाड़ाचार्य पीठाधीश्वर राधा मोहन शरण देवाचार्य जी के द्वारा इस सारे कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में अयोध्या के सभी संत महंत सम्मिलित हुए।

मेडिकल कैम्प में तीन सौ छात्र छात्राओं ने कराया उपचार

बहराइच । स्थानीय किसान डिग्री कॉलेज में प्रबन्धक मेजर डॉ एस. पी. सिंह एवं श्री पंकज सिंह उपाध्यक्ष एबीवीपी अवध प्रान्त एवं एनसीसी प्रमुख केडीसी व डॉ रुचि सिंह स्किन क्लिनिक बहराइच व तृषा क्लीनिक बहराइच के सौजन्य से निशुल्क मेडिकल कैम्प का आयोजन किया गयासजिसमें लखनऊ की प्रसिद्ध चर्म रोग एवं सौंदर्य विशेषज्ञ डॉ रुचि सिंह , नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ अंजली वर्मा एवं सीनियर फिजिशियन डॉ एस. के. सिंह द्वारा मौजूद सभी छात्र एवं छत्राओं को सम्बोधित किया एव बीमारी से बचाव के उपाय बताए गए तथा सम्बन्धित बीमारियों का निशुल्क परामर्श दिया व दवा वितरण किया गया ।इस अवसर पर तीन सौ से अधिक मरीज का उपचार किया गया।सभी चिकित्सकों के साथ सहयोगी आदर्श जायसवाल ,अभय गुप्ता,अरुण सिंह ,डॉ डी पी सिंह ,मो शारिक, फरहान ,राहुल पंकज,जैनेंद्र द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

बाइक ठोकर से वृद्ध की मौत से परिवारजनों में गम का माहौल

रुपईडीहा(बहराइच)। स्थानीय थाना अंतर्गत रुपईडीहा से चकिया जंगल जाने वाली चकिया मार्ग पर रंजीतबोझा गांव के निकट एक अज्ञात बाइक सवार ने वृद्ध को पीछे से जोरदार ठोकर मार दिया। जिससे वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसको रुपईडीहा ले जाते समय रास्ते में ही उसकी मृत्यु हो गईसजानकारी के अनुसार बीती शाम सीताराम रैदास 75 वर्ष पुत्र बदलू रैदास निवासी रंजीतबोझा पैदल ही चकिया रोड से होता हुआ दोदरा नाले के पास स्थित सखुआ बाबा के यहां जा रहा था तभी रुपईडीहा से बक्सीगांव ओर से जा रहा एक अज्ञात बाइक सवार ने जोरदार ठोकर मार दिया। जिससे सीताराम रैदास सड़क पर गिर कर गम्भीर रूप से घायल हो गये। बाइक सवार घटना के बाद वहां से भाग निकला। गांव के लोगों उनको आनन फानन में लाद कर रुपईडीहा इलाज के लिए लेकर जा रहे थे तभी रास्ते में ही उन्होंने दम तोड दिया। गांव के लोगों ने उक्त बाइक सवार का बक्सी गांव तक बाइक से पीछा किया परन्तु उसका पता नहीं चल सका। घटना के बाद घर वालों को रो रो कर बुरा हाल है।

विशालकाय अजगर मिलने से व्यापारियों में मचा हड़कंप

मिल्कीपुर–अयोध्या। मिल्कीपुर तहसील क्षेत्र के सेवरा मोड़ स्थित बिलिंडग मटेरियल की दुकान पर सुबह एक विशालकाय अजगर दिखाई पड़ते हैं व्यापारियों व ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने घटना की जानकारी क्षेत्रीय वन कर्मियों को दी। प्राप्त जानकारी के मुताबिक इनायत नगर थाना क्षेत्र के सेवरा मोड़ स्थित भदोखरा ग्राम प्रधान रामकुमार यादव की बिलिंडग मटेरियल की दुकान पर सुबह एक अजगर को देखकर दुकानदारों व स्थानीय लोगों में अफरा तफरी मच गई। दुकान पर अजगर निकलने की सूचना प्रधान रामकुमार यादव द्वारा वन विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही बीट प्रभारी वनरक्षक दिलीप श्रीवास्तव अपने साथ वन कर्मियों इंद्रजीत सिंह, सूर्यभान तिवारी एवं सांई को लेकर मौके पर पहुंच गए। मौके पर पहुंचे वन कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद विशालकाय अजगर को पकड़ लिया और घने जंगल में ले जाकर सुरक्षित छोड़ दिया है।

नैक द्वारा मूल्यांकन कराए जाने को लेकर कार्यशाला का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु में राष्ट्रीय प्रत्यायन एवं मूल्यांकन परिषद नैक द्वारा मूल्यांकन कराए जाने के संबंध में आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते हुए कुलपति प्रोफेसर हरि बहादुर श्रीवास्तव ने कहा की वर्तमान वैश्विक चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए भारत के उच्च शिक्षण संस्थानों में गुणवत्ता शिक्षण और शोधपरक दृष्टि का होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सिद्धार्थ विश्वविद्यालय अत्यंत ही पिछड़े और ग्रामीण क्षेत्र में स्थित है। इस दृष्टि से उच्च शिक्षा के मानक संस्थान के रूप में विश्वविद्यालय सहित संबद्ध महाविद्यालयों को अधिक ऊर्जा और साधना के साथ कार्य करना होगा। नैक हमें गुणवत्तापूर्ण शिक्षण संस्थान के रूप में स्थापित होने में सबसे सहायक साधन के रूप में है। नैक के मानकों के अनुरूप शिक्षण संस्थान के क्रियाकलाप योजनाओं और व्यवस्थाओं की स्थापना करके ग्रामीण क्षेत्र के और पिछड़े हुए बच्चों को भी हम योग्य और दक्ष बना सकते हैं। प्रो हरि बहादुर श्रीवास्तव ने कहा बहुत जरूरी है की वर्तमान शिक्षा में उपयोग होने वाले तकनीको और नए नए अनुसंधानों को

वरीयता के साथ शिक्षण प्रशिक्षण में शामिल करें।वर्तमान समय में उत्तर प्रदेश शासन की स्पष्ट मंशा है कि विश्वविद्यालय सहित संबद्ध सभी महाविद्यालयों में तथा शीघ्र नैक की तैयारी करके नैक की प्रक्रिया कराने की तरफ अग्रसर हो। नैक एक सकारात्मक सोच है। जिसके माध्यम से निरंतर प्रयास और श्रेष्ठ कार्य पद्धति से हम अच्छा स्थान प्राप्त कर सकते हैं। इस अवसर पर गोरखपुर एवं बस्ती मंडल के क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डॉ अश्वनी कुमार मिश्र ने नैक प्रक्रिया क्रियान्वयन विषय पर पावर प्वाइंट के माध्यम से नैक की तैयारियों और अच्छा अंक प्राप्त करने की योजना पर विस्तृत रूप से चर्चा की। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा का क्षेत्र अत्यंत ही व्यापक होता है। पाठ्यक्रमों के साथ–साथ उच्च शिक्षण संस्थान का सरोकार समाज से लेकर विद्यार्थी के संस्कार निर्माण तक होता है। किसी भी संस्थान के उत्तरोत्तर विकास के लिए उसका आत्म मूल्यांकन अत्यंत आवश्यक होता है। नए प्रत्येक शिक्षण संस्थान को बेहतर तैयारी के साथ निश्चित समय सीमा के अंदर अंदर मूल्यांकन कर अपने को और श्रेष्ठ करने का अवसर प्रदान करने वाला एक महत्वपूर्ण संस्थान है। भविष्य में नैक द्वारा प्राप्त प्रमाणपत्र के बगैर उच्च शिक्षण संस्थानों का अस्तित्व में रहना कठिन है। अनुदान इत्यादि भी नए रैंकिंग के आधार पर ही विद्यालयों को भी मिलने की योजना बनाई जा रही है। एकेडमिक ऑडिट ग्रीन आडिट और फाइनेंसियल आडिट के माध्यम से शिक्षण संस्थान अपनी प्रगति का मार्ग सुनिश्चित करते हैं। नए हमें अपना सामर्थ और अपनी कमजोरी तथा भविष्य की चुनौतियों की तरफ स्पष्ट रूप से पहचान करने में भी नैक महत्वपूर्ण है। शिक्षा में गुणवत्ता बढ़ाने के लिए नैक द्वारा मूल्यांकन अत्यंत ही आवश्यक है। इसके लिए शिक्षण संस्थानों को अपनी स्वयं की वेबसाइट की स्थापना करना, वेबसाइट पर लगातार उपयोग से ही उसको आगे बढ़ने का रास्ता मिलेगा। सभी गतिविधियां वेबसाइट पर समयानुसार अपलोड किया जाना चाहिए। आइक्यूएसी, वार्षिक कैलेंडर ,प्रशासनिक समितियां, विविध गतिविधियां, महिला सुरक्षा सेल, दिव्यांगजन के लिए की गई व्यवस्था, एंटी रैगिंग सेल, पुरातन छात्र परिषद, शिक्षक अभिभावक संघ इत्यादि के माध्यम से भी शिक्षण संस्थान आगे बढ़ सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन एवं प्रस्ताव की आइक्यूएसी के समन्वयक प्रोफेसर दीपक बाबू ने किया जबकि आभार ज्ञापन प्रोफेसर सौरव द्वारा किया गया इस अवसर पर कुलसचिव डॉ अमरेंद्र कुमार अधिष्ठाता कला संकाय प्रोफेसर हरीश कुमार शर्मा संबंधित महाविद्यालय के प्राचार्य गण तथा विश्वविद्यालय नए स्टेरिंग कमेटी के सभी कोऑर्डिनेटर एवं सदस्य तथा विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षक एवं अन्य महाविद्यालयों के शिक्षक उपस्थित रहे। उक्त जानकारी सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी डॉ अविनाश प्रताप सिंह ने दी है।

सरकार युवाओ को खेल के माध्यम से आगे ले जा रही:सांसद जगदम्बिका पाल

जिला स्टेडियम में जुनियर हैण्डबाल प्रतियोगिता का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। मंगलवार को जिला स्टेडियम, सिद्धार्थनगर पं0 दीन दयाल उपाध्याय जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर जुनियर हैण्डबाल प्रतियोगिता का आयोजन। खेल निदेशालय, उ0प्र0, खेल भवन, लखनऊ के तत्वावधान में पं0 दीन दयाल उपाध्याय जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर जिला खेल कार्यालय, सिद्धार्थनगर द्वारा जिला स्तरीय जूनियर दो दिवसीय हैण्डबाल एवं फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर मंगलवार को हैण्डबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें जिले की आठ टीमों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में

पहला सेमीफाइनल मैच हैण्डबाल स्टेडियम व स्पोर्ट्स स्टेडियम सिद्धार्थनगर के बीच खेला गया जिसमें हैण्डबाल स्टेडियम की टीम 4–3 से जीतकर फाइनल में पहुंची। दूसरा सेमी फाइनल मैच जी0बी0सी0ए0 ब्ल्यू व गंगा ब्लयू के मध्य खेला गया जिसमें जी0बी0सी0ए0 ब्ल्यू की टीम 2–0 से जीतकर फाइनल में पहुंची। प्रतियोगिता के फाइनल में हैण्डबाल स्टेडियम ने जी0बी0सी0ए0 ब्ल्यू को 5–1 से हराकर विजेता बनी। प्रतियोगिता का उदघाटन सांसद जगदम्बिका पाल एवं जिलाधिकारी ने किया। इस अवसर पर सांसद , जिलाधिकारी व गणमान्य व्यक्तियों ने पं0 दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किया गया। सांसद ने खिलाड़ियों को इस अवसर पर पूरी क्षमता से खेलने एवं हैण्डबाल खेल में जिले का नाम रोशन करने की शुभकामनाएं दी। साथ ही खिलाड़ियों को पं0 दीन दयाल उपाध्याय के जीवन चरित्र के बारे में विस्तार से बताया एवं सरकार द्वारा खेलों के प्रोत्साहन हेतु किए जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी खिलाड़ियों एवं उपस्थित लोगों को दी। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने खिलाड़ियों को पूरे उत्साह से खेलने एवं पूरी क्षमता से प्रयास करने हेतु प्रोत्साहित किया। जिलाधिकारी ने पं0 दीनदयाल उपाध्याय के व्यक्तित्व पर भी अपने विचार व्यक्त करते हुए खिलाड़ियों को उनसे प्रेरणा लेने हेतु प्रोत्साहित किया। क्रीड़ाधिकारी आशुतोष अग्निहोत्री ने पं0 दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित किया एवं प्रतियोगिता के उद्घाटन हेतु पधारे समस्त गणमान्य नागरिकों को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर देवेन्द्र पाण्डेय, अरूण कुमार प्रजापति, विवेक, विपिन, कमलेन्द्र, सत्यप्रकाष, सुमन आदि उपस्थित रहें। उक्त प्रतियोगिता को सफलतापूर्वक आयोजित करने में देवेन्द्र पाण्डेय, विपिन, सत्यप्रकाष ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मिशन वात्सल्य समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। मंगलवार को जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में मिशन वात्सल्य जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते जिलाधिकारी संजीव रंजन ने मिशन वात्सल्य जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति में सम्बंधित विभाग द्वारा अब तक की कार्यवाही की समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि बाल विवाह, वाल श्रम, यौन शोषण आदि मामलों के रोकथाम हेतु पुलिस विभाग द्वारा आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित किया जाये। चिकित्सा विभाग द्वारा अज्ञातध्लावारिस लड़कियों को मिलने पर तत्काल मेडिकल कराने की सुविधा मुहैया कराया जाये। श्रम विभाग द्वारा अभियान चलाकर होटलध्ढ़ाबों पर श्रम कार्य करते हुये पकड़े गये बच्चों को विद्यालय से जोड़ने तथा ठेलोंध्ढ़ाबों पर श्रम कार्य करते हुये पाये गये बच्चोंध्परिवारों को सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से लाभान्वित करायें। बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा बाल विवाह रोकथाम हेतु जन जागरूकता अभियान चलाया जाये तथा उ0प्र0 मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, कन्या सुमंगला योजना आदि का पात्र लाभार्थियों का आवेदन कराना सुनिश्चित करें। जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा विद्यालयध्शैक्षणिक संस्थान, कोचिंग सेंटर परिसर अथवा चारो तरफ 100 मी0 रेडियस क्षेत्र में शराब,बीड़ी, सिगरेट, गुटखा, तम्बाकू आदि की बिक्री पूर्णतया प्रतिबंधित कराने की कार्यवाही सुनिश्चित किया जाये। जिला विद्यालय निरीक्षक एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा ड्राप आउट एवं शिक्षा से वंचित बच्चों को शिक्षा से जोड़ने की कार्यवाही की जाये। जिला समाज कल्याण अधिकारी को निर्देश दिया कि अनाथध्बेसहारा बच्चों को आश्रम पद्धिति विद्यालय में दाखिला कराकर शिक्षा से जोड़ने की कार्यवाही की जाये। कौशल विभाग द्वारा बाल श्रम से प्रभावित बालकध्बालिकाओं को कौशल विकास से सम्बंधित प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाये। इस बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 विनोद कुमार अग्रवाल, जिला प्रोबेशन अधिकारी विनोद राय, जिला समाज कल्याण अधिकारी डॉ0 राहुल गुप्ता, समस्त सी0डी0पी0ओ0 एवं अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित थे।

राम करन यादव ने भारतीय कुश्ती में जनपद का बढ़ाया मान,गाजे–बाजे के साथ स्वागत

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार/सिद्धार्थनगर। मंगलवार को उसका बाजार के

भारतीय कुस्ती संघ कुश्ती में गोल्ड मेडलिस्ट से पुरस्कृत रामकरन यादव ने मंगलवार को नगर पंचायत उसका बाजार के बॉर्डर पर पहुंचते ही नगर वासियों के लोगों ने गाजे–बाजे और माला पहनाकर स्वागत किया। इसके पश्चात स्थानीय लोगों ने मोटरसाइकल पर बैठाकर अजगरा के प्रधान रामकेवल सहित सैकड़ों ग्रामीणों ने कस्बे के मुख्य द्वार पर लेकर पहुंचे ही लोगों के द्वारा स्वागत बधाईयों का ताता लगा रहा। रामकरन के पिता हरिद्वार किसानी कर घर का भरण पोषण करते थे इसको देखते हुऐ रामकरन ने जगह जगह जाकर कुश्ती दंगल में हिस्सा लेता रहा। बेटे को देखते ही पिता के आंखो से खुशी के आशु छलक पड़े साथ ही कहा कि मुझे खुशी हैं कि मेरे बेटे ने जिले को कहां है गौरवान्वित किया हमें पहले ही दिन से विश्वास था कि वह जिले वह गांव के लिए स्वर्ण पदक लाएगा। कुश्ती में गोल्ड मेडलिस्ट शील्ड व नगद पुरस्कार से रामकरन को हरियाणा कुश्ती दंगल में पुरस्कृत किया गया हैं। नगर पंचायत उसका बाजार के अध्यक्ष प्रतिनिधि सुरेश यादव, पंचायत सदस्य सुनील यादव आदि लोगो ने पहुंचकर बधाईयां दी।

30वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस

प्रोजेक्ट प्रस्तुतिकरण का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। 30 वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस प्रोजेक्ट प्रस्तुतिकरण के जनपदीय आयोजन मंगलवार को रघुवर प्रसाद जयसवाल सरस्वती शिशु मंदिर तेतरी बाजार नौगढ़ में संपन्न हुआ। जिसमें जनपद के विभिन्न विद्यालयों के बच्चों की टीमों द्वारा कुल 40 प्रोजेक्ट का प्रजेंटेशन किया गया। राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के जनपदीय आयोजन का उद्घाटन मुख्य अतिथि अमित कुमार आनंद, पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर द्वारा किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य राकेश मणि त्रिपाठी द्वारा की गई। मुख्य अतिथि ने बच्चों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि स्थानीय स्तर पर समस्या और उनका समाधान प्रस्तुत कर इन बाल वैज्ञानिकों ने समाज के समक्ष चुनौतियों से निपटने के कई आयाम प्रस्तुत किए हैं। इनके प्रोजेक्ट कार्य के परिणामों पर हमें गंभीरतापूर्वक चिंतन करते हुए अपने आवश्यकताओं, सकारात्मक विचारों और नवीन तकनीकों के प्रति संवेदनशील होने की जरूरत है। निश्चित रूप से इन बाल वैज्ञानिकों ने समाज को नई दिशा और परिवर्तन की नई राह सुझाई है।

जिला समन्वयक घनश्याम उपाध्याय ने सभी आगंतुकों का स्वागत करते हुए बताया कि 30 वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के मुख्य विषय–स्वास्थ्य और कल्याण के लिए परितंत्र को समझना निर्धारित है। इसके अंतर्गत पांच उप विषय–अपने परितंत्र को समझना, स्वास्थ्य पोषण और कल्याण को प्रोत्साहन देना, परितंत्र और स्वास्थ्य के लिए सामाजिक एवं सांस्कृतिक प्रथाएं आत्मनिर्भरता के लिए परितंत्र आधारित दृष्टिकोण तथा परितंत्र और स्वास्थ्य के लिए तकनीकी नवाचार के तहत बच्चों द्वारा प्रोजेक्ट बनाए गए। जूनियर संवर्ग में कुल 29 प्रोजेक्ट और सीनियर संवर्ग में कुल 11 प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए गए। परिषदीय विद्यालयों के बच्चों की प्रतिभागिता उल्लेखनीय रही। राज्य स्तरीय प्रस्तुतिकरण हेतु दोनों संवर्गो से दो–दो प्रोजेक्ट का चयन किया गया।जूनियर संवर्ग में पहला प्रोजेक्ट उच्च प्राथमिक विद्यालय जोगिया के परमेश्वर का तथा दूसरा प्रोजेक्ट उच्च प्राथमिक विद्यालय जखौली के एहतेशाम का चयनित हुआ। सीनियर संवर्ग में सिंहेश्वरी इंटर कालेज के अंशुमान अत्रे का प्रोजेक्ट तथा प्रखर मिश्र,रघुवर प्रसाद जायसवाल का प्रोजेक्ट चयनित हुआ।दोनों संवर्गो में एक एक प्रोजेक्ट प्रतीक्षा सूची में चुने गए। प्रतीक्षा सूची में राजकीय कन्या इंटर कालेज की दीपिका मिश्रा और उच्च प्राथमिक विद्यालय जोगिया की मानसी साहनी का प्रोजेक्ट चयनित हुआ। कार्यक्रम में प्रवक्ता रमा मिश्रा, मारुत पाण्डेय, एआरपी प्रमोद कुमार त्रिपाठी, अंशुमान सिंह, शैलेन्द्र राय, रेनू यादव, वन्दना त्रिपाठी, शेफाली जायसवाल, महेंद्र मिश्र, अमर सिंह, नीतू त्रिपाठी, पूजा यादव, राजीव त्रिपाठी, ममता, अर्चना आदि उपस्थित रहे।

मंडलीय थ्रो बाल में बस्ती बना विजेता

बस्ती।मंडलीय थ्रो बाल संघ बस्ती में आयोजित प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग के फाइनल में बस्ती जनपद ने संतकबीरनगर को 30 के मुकाबले 16 अंक प्राप्त टीम को हराकर विजेता हुयी, महिला में बस्ती जनपद ने संतकबीरनगर को 30 के मुकाबले 10अंक प्राप्त टीम को हराकर विजेता हुयी, प्रतियोगिता में विजेता एवं उपविजेता को थ्रो बाल संघ की तरफ से संघ के मंडल सचिव संतोष जायसवाल ने ट्राफी प्रदान की, पुरूष वर्ग सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी विशाल एवं महिला वर्ग साताक्षी पाल को पुरस्कार प्रदान किया गया, प्रतियोगिता के सफल आयोजन में विशेष रूप से संघ राजेश श्रीवास्तव वरिष्ठ उपाध्यक्ष युगल किशोर, उपाध्यक्ष शरदसिंह रावत, संतोष भट्ट, अखिलेश यादव, संगठन मंत्री सी पी श्रीवास्तव, राजकुमार रामशंकर जयसवाल सहित अनेक लोगों का सहयोग सराहनीय रहा।

सम्पादकीय

बात होती है दिल्ली की!

बाकी कारण तो वही हैं, जो हर जगह देखने को मिलते हैं। मसलन शपेड़ों की कटाई, शहर के अंदर कचरे को जलाना, सड़क–पुल या भवन निर्माण आदि में निर्धारित मानदंडों का पालन नहीं करना, निर्माण सामग्रियों का बिना ढंके परिवहन आदि। इन सब वजहों से वायु गुणवत्ता सूचकांक में खतरनाक स्तर तक...

यह बात शायद ही कभी चर्चा में आती है कि देश के अनेक दूसरे इलाकों के लोग दिल्ली से भी अधिक प्रदूषण झेलने को मजबूर हैं। लेकिन वहां के बाशिंदों की सेहत की चिंता शायद किसी को नहीं होती। दिल्ली में हर साल दिवाली के आसपास प्रदूषण का धुआं आसमान में छा जाता है। तब मीडिया के लेकर सियासी हलकों तक में इसकी जोरदार चर्चा होती है। राजनीतिक दलों के बीच तू तू–मैं मैं होती है और तरह–तरह की चिंताएं जताई जाती हैं। लेकिन यह बात शायद ही कभी चर्चा में आती है कि देश के अनेक दूसरे इलाके दिल्ली से भी अधिक प्रदूषण झेलने को मजबूर बने हुए हैं। वहां के बाशिंदों की सेहत की चिंता शायद किसी को नहीं होती। जबकि इस खबर पर गौर करें। 20 नवंबर को केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 423 के साथ बिहार का मोतिहारी भारत का सर्वाधिक प्रदूषित शहर रहा। दूसरे नंबर पर 411 एक्यूआई के साथ दरभंगा तथा तीसरे नंबर पर 401 के साथ सीवान रहा। बेगूसराय, कटिहार, बेतिया, पूर्णिया, अररिया, मुजफ्फरपुर, बक्सर, समस्तीपुर और पटना की हवा भी काफी खराब चल रही है। मगर क्या बिहार में प्रदूषण और वायु की खराब गुणवत्ता पर पूरे देश में वैसी चर्चा हुई, जैसी अभी कुछ दिन पहले दिल्ली के बारे में हो रही थी। शिकागो विश्वविद्यालय की एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट की ओर से किए गए एक अध्ययन के अनुसार बिहार, उत्तर प्रदेश समेत सात राज्यों की लगभग पूरी आबादी पीएम 2.5 की जद में हैं। अधिकारियों का कहना है कि उत्तर प्रदेश के खेतों में जलाई जा रही पराली का धुआं भी बिहार में हवा को खराब कर रहा है। पश्चिम से आने वाली हवा की वजह से यूपी का धुआं बिहार की ओर आ रहा है। उससे राज्य के सीमावर्ती जिले इससे खासे प्रभावित हो रहे हैं। बाकी कारण तो वही हैं, जो हर जगह देखने को मिलते हैं। मसलन शपेड़ों की कटाई, शहर के अंदर कचरे को जलाना, सड़क–पुल या भवन निर्माण आदि में निर्धारित मानदंडों का पालन नहीं करना, निर्माण सामग्रियों का बिना ढंके परिवहन आदि। इन सब वजहों से वायु गुणवत्ता सूचकांक में खतरनाक स्तर तक वृद्धि होती है। लेकिन इसका समाधान कैसे किया जाए, इस प्रश्न बिहार जैसे राज्यों में चर्चा भी नहीं होती है। इस तरह लोग जोखिम भरे वातावरण के बीच जीने को अभिशप्त बने हुए हैं।

सुर्खियों के सुखबोध का सच

जलवायु सम्मेलन के बाद सुर्खियों में जो सुखबोध दिख रहा है, उसमें ज्यादा दम नहीं है। इन सम्मेलनों की फिलहाल इतनी ही प्रासंगिकता है कि इनके जरिए जलवायु परिवर्तन पर दुनिया का ध्यान जाता है। ये हर साल की कहानी है। नवंबर या दिसंबर में संयुक्त राष्ट्र का जलवायु सम्मेलन होता है। जब ये समाप्त होता है तो सुर्खियों में बताया जाता है कि एक बड़ी सहमति के साथ सम्मेलन हुआ। मिस्र में हुए 27वें जलवायु सम्मेलन की कथा इससे अलग नहीं है। कहा गया है कि लॉस एंड डैमेज के मुद्दे पर बड़ी कामयाबी से सम्मेलन की समाप्ति हुई। लेकिन आखिर ये बड़ी कामयाबी क्या है? धनी देश सिद्धांत रूप में इस पर राजी हुए कि भविष्य में अगर जलवायु परिवर्तन के कारण आई प्राकृतिक आपदा के किसी गरीब देश को क्षति होती है, वे उसकी भरपाई में वित्तीय योगदान करेंगे। इस कोष का स्वरूप क्या होगा, इस बारे में अगले साल होने वाले सम्मेलन में फैसला किया जाएगा। कौन देश कितना योगदान करेगा, इस बारे में कोई विवरण तय नहीं हुआ। उलटे धनी देश यह मनवाने में सफल हो गए कि ऐतिहासिक रूप से उन्होंने कार्बन उत्सर्जन के जरिए वातावरण को जो नुकसान पहुंचाया है, उसकी जिम्मेदारी से उन्हें मुक्त कर दिया जाएगा। गौरतलब है कि अब तक के सभी सम्मेलनों में उनकी इस जिम्मेदारी चर्चा होती रही थी।

इसके अलावा धरती के तापमान में वृद्धि को औद्योगिक युग शुरू होने के समय की तुलना में 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक ना बढने देने के किसी नए उपाय पर चर्चा नहीं हुई और गरीब देशों ने इस पर जोर भी नहीं डाला। बहरहाल, यहां यह जरूर याद कर लेना चाहिए कि 2009 में कोपेनहेगन में हुए सम्मेलन में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा की पहल पर धनी देशों ने जलवायु परिवर्तन रोकने के उपायों के लिए 100 बिलियन डॉलर का फंड बनाने का संकल्प लिया था। वह संकल्प आज तक घोषणाओं से आगे नहीं बढ़ सका। तो नई सहमति का क्या हाल होगा, यह सवाल वाजिब है। इसलिए मिस्र के शरम अल–शेख में हुए सम्मेलन के बाद मीडिया की सुर्खियों में जो सुखबोध दिख रहा है, उसमें ज्यादा दम नहीं है। इन सम्मेलनों की असल में फिलहाल इतनी ही प्रासंगिकता रह गई है कि इनके जरिए जलवायु परिवर्तन की समस्या पर दुनिया का ध्यान जाता है। और समस्या है, तो उस पर बात होती रहनी चाहिए, यह आम समझ है।

समझदार बनें सियासी पार्टियां

यूपी, बिहार समेत कई अन्य राज्यों में विभिन्न दलों के उम्मीदवारों की सूची देखने से पता चलता है कि जनता के प्रतिनिधि नहीं, बल्कि अपराधियों के प्रतिनिधि का चुनाव हो रहा है। इस परिस्थिति में जनता के समक्ष कोई विकल्प नहीं होता है। 2013 से पूर्व भारत में प्रत्याशियों को नकारने की कोई व्यवस्था नहीं थी, लेकिन 2013 से नोटा का विकल्प उपलब्ध होने के बाद अंतर देखने को मिला है। समस्या के ...

प्रो. (डॉ.) आर.पी. गुप्ता

लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता मतदान द्वारा सांसद, विधायक एवं त्रिस्तरीय पंचायती व्यवस्था में अपने जन प्रतिनिधि ा को चुनती है। चुने हुए जनप्रतिनिधि ायों से देश को अपेक्षा रहती है कि ये जन सरोकार के मुद्दों पर विचार–विमर्श कर निति–निर्धारण का कार्य करेंगे लेकिन जब इन माननीयों का रिश्ता अपराध जगत से जुडने लगता है तो जनमानस का विास टूटता है। भारत में 80 के दशक से राजनीति का अपराधीकरण हो गया। आज चुनाव में धनबल एवं बाहुबल का धड़ल्ले से इस्तेमाल किया जाता है। राजनीतिक दलों द्वारा आपराधिक छवि वाले व्यक्ति को ध नबल एवं बाहुबल के कारण टिकट दिया जाता है। अब राजनीति में सेवा भाव से आने वाले लोगों की संख्या कम देखने को मिलती है। भारतीय राजनीति में कई ऐसे दौर आए हैं, जब अपराधियों को राजनीतिक दलों द्वारा संरक्षण देकर माननीय बनाया गया है। अपराधियों को राजनीति में बढ़ावा मिलने से समाज की शांति, सौहार्द भी बिगड़ा है। इसलिए राजनीति का अपराध ीकरण हो या अपराधी का राजनीतिकरण, दोनों ही राष्ट्र एवं लोकतंत्र के लिए घातक हैं। राजनीति का अपराधीकरण की समस्या लोक सभा एवं विधानसभा तक ही सीमित नहीं है। इसके गहरी जड़ें नगर निकाय और पंचायत चुनाव तक फैल चुकी हैं। परिणामस्वरूप अपराधी प्रवृत्ति के लोग चुनाव

लड़ते हैं, धन और बाहुबल के दम पर जीतते भी हैं। 1999 में एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने मई, 2002 में ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए राष्ट्रीय, राज्यस्तरीय एवं स्थानीय चुनाव में उम्मीदवार को नामांकन भरने के दौरान अपनी आपराधिक, वित्तीय और शैक्षणिक जानकारी विस्तृत ढंग से सार्वजनिक करने का निर्देश दिया था। बाद में कोर्ट के आदेश को विधेयक के माध्यम से दिसम्बर, 2002 को पलट दिया गया था। इसे पुनरू न्यायालय में चुनौती दी गई जिस पर सर्वोच्च अदालत ने मार्च, 2003 को अपने फैसले में विधेयक को असंवैधानिक बताते हुए पूर्व के आदेश को लागू कर दिया था। लिली थॉमस बनाम भारत सरकार के चर्चित मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 (4) को असंवैध ानिक घोषित करते हुए फैसला सुनाया था कि किसी भी सदन का कोई भी सदस्य अपराध में दोषी पाया जाता है तथा 2 वर्ष और उससे अधिक समय के लिए कारावास की सजा मिलती है तो तत्काल प्रभाव से उसकी सदस्यता समाप्त हो जाएगी और 6 वर्ष तक चुनाव लडने के लिए अयोग्य होगा। 2018 में लोक प्रहरी बनाम भारत संघ के मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के आलोक में राजनीतिक पार्टियों द्वारा अपराधियों को मदद पर रोक लगाने की दिशा में निर्देश दिए थे। फिर पब्लिक इंटरेस्ट फाउंडेशन बनाम भारत संघ सितम्बर, 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि चुनाव लडने से पूर्व उम्मीदवारों को उनके विरु द्ध चल रहे आपराधिक मामलों की जानकारी चुनाव आयोग के साथ–साथ प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को देकर सार्वजनिक करनी होगी। इस पर कोई पहल नहीं होने के कारण पुनरू 14 फरवरी, 2020 को सुप्रीम कोर्ट ने राजनीति में बढ़ते अपराध ीकरण के संबंध में याचिका पर सुनवाई करते हुए अपने फैसले में कहा था कि सभी राजनीतिक दलों को आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों की सूची सार्वजनिक करनी होगी। प्रत्याशी चयन करने के 72 घंटों के भीतर इस संबंध में चुनाव आयोग को भी सूचित करना होगा। कोर्ट के आदेश पर अमल नहीं करने वाले राजनीतिक दलों पर न्यायालय की अवमानना के अंतर्गत चुनाव आयोग कानूनी कार्रवाई कर सकता है। सही है कि जनता अपने प्रतिनिधियों का चुनाव स्वेच्छा से करती है, लेकिन यह भी सत्य है कि राजनीतिक दलों की पसंद दागी उम्मीदवार रहते हैं। इसलिए जनता के चुनने से पूर्व ही राजनीतिक दल उम्मीदवार के रूप में ऐसे लोगों को चुन कर टिकट दे देते हैं। अपराध के रास्ते राजनीति में आए नेता राष्ट्र की बात तो दूर अपने पार्टी के प्रति भी समर्पित नहीं होते। यूपी, बिहार समेत कई अन्य राज्यों में विभिन्न दलों के उम्मीदवारों की सूची देखने से पता चलता है कि जनता के प्रतिनिधि नहीं, बल्कि अपराधियों के प्रतिनिधि ा का चुनाव हो रहा है। इस परिस्थिति में जनता के समक्ष कोई विकल्प नहीं होता है। 2013 से पूर्व भारत में प्रत्याशियों को नकारने की कोई व्यवस्था नहीं थी, लेकिन 2013 से नोटा का विकल्प उपलब्ध होने के बाद अंतर देखने को मिला है। समस्या के समाधान के लिए राजनीतिक दलों को आगे आना होगा। उम्मीदवार का चयन करते समय बस जीत की जिद नहीं होनी चाहिए। उन्हें पार्टी हित से ऊपर उठकर भारतीय लोकतंत्र को श्रीसंपन्न करने पर विचार करना चाहिए।

वित्तीय बाजारों में अब तेजी देखने को मिल रही है। लेकिन असली अर्थव्यवस्था का खेल तो अब दिखाई देगा। ऐसा लगता है कि कुंजी अभी भी यूक्रेन में रूसी आक्रमण की स्थिति में होगी। क्या ऊर्जा बाजार वापस स्थायी स्तर पर लौट आयेंगे ? तेल बाजार की रिपोर्ट अब स्थिरता की ओर बढ़ने का संकेत देती है। कीमतें अब नहीं उछल रही हैं। उम्मीद है कि नया साल कुछ सकारात्मक रुझान दिखायेगा...

भारत के लिए अच्छा है वैश्विक मंदी में सुधार का रुझान

अंजन रॉय

फेडरल रिजर्व के नवीनतम खुलासे उसकी पूर्व के सोच में बदलाव के संकेत देते हैं। यह निकट भविष्य में वैश्विक अर्थव्यवस्था में मंदी के बारे में धारणा में संभावित बदलाव का भी संकेत देता है। अब संकेत मिल रहे हैं कि विश्व अर्थव्यवस्था में निकट भविष्य में आने वाली मंदी की संभावना घट रही है। आखिरकार, वैश्विक मंदी से बचा जा सकता है, हालांकि उछाल वाली विकास दर की तत्काल वापसी नहीं होगी। वैश्विक शेयर बाजारों में क्रिसमस का जश्न शुरू हो गया है। वित्तीय बाजार आश्चर्यजनक उछाल दिखा रहे हैं और नई ऊंचाइयों पर चढ़ रहे हैं। भारतीय शेयर बाजारों में भी तेजी आई है। प्रतिनिधि बीएसई सूचकांक 1000 अंक के करीब चढ़ गया और 62,412 के अपने ऐतिहासिक रिकॉर्ड उच्च स्तर को छू गया। एनएसई सूचकांक भी तेजी से बढ़ रहा है, जो बाजारों की अधिक व्यापक आधारित वसूली का संकेत देता है। संयुक्त राज्य के फेडरल रिजर्व से कि वैश्विक वित्तीय बाजारों के लिए सुस्ती के दूर होने तथा वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुधार की संभावनाओं और मुद्रास्फीति के बारे में सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। फिर भी, आने वाले दिनों में सामान्य मूल्य का स्तर और उसकी प्रकृति क्या होगी इस मामले में अर्थशास्त्रियों के बीच की धारणाओं के बीच काफी मतभेद है। दुनिया को मुद्रास्फीति के निम्न स्तर और कीमतों को कम करने के प्रयासों की आदत हो गई थी। जापान ने दशकों की नकारात्मक मुद्रास्फीति (या अपस्फीति) और गिरती कीमतों का सामना किया था जिसने इसकी अर्थव्यवस्था को तबाह कर दिया था। पिछले दो वर्षों से अचानक कीमतें चिंताजनक रूप से बढ़ने लगीं। इतना ही नहीं, इस साल की शुरुआत में संयुक्त राज्य अमेरिका में मुद्रास्फीति चालीस साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थी, जिसने खतरे की घंटी बजाई। हर कोई महंगाई से लड़ने के उपायों की जरूरत को लेकर चिल्लाने लगा। संकट अकेले नहीं आते। वैश्विक मंदी के खतरे से मुद्रास्फीति का खतरा और बढ़ गया था। जैसे–जैसे चीन पूरे देश में प्रतिबंध लगा रहा था, उसकी अर्थव्यवस्था में गिरावट आ रही थी। चीन की, दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और दुनिया भर से वस्तुओं का एक बड़ा आयातक होने के नाते, वैश्विक अर्थव्यवस्था की गति निर्धारित करने में एक निर्णायक भूमिका थी। फिर यूक्रेन में रूसी आक्रमण और विश्व ऊर्जा बाजारों पर परिणामी दबदबे ने वैश्विक अर्थव्यवस्था का गला घोंटना शुरू कर दिया। रूस कई आवश्यक वस्तुओं, अर्थात ऊर्जा (तेल और गैस) और भोजन (गेहूं) और उर्वरक (फॉस्फेटिक) का एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता है। इसी तरह यूक्रेन भी है जो एक प्रमुख गेहूं निर्यातक है। इस युद्ध ने दुनिया भर में भोजन और ऊर्जा की कीमतों में उछाल ला दी। रूस से ईंधन की आपूर्ति में कमी ने समग्र ऊर्जा कीमतों को बढ़ा दिया। इसके कारण यूरोपीय लोगों को अपनी डिस्पोजेबल आय पर गंभीर दबाव का सामना करना पड़ा। तीसरी दुनिया के देशों को भोजन की कमी की समस्याओं का सामना करना पड़ा, तथा ऊर्जा एक और अतिरिक्त झटका था। इन घटनाक्रमों के वैश्विक अर्थव्यवस्था के डगमगाने तथा उलझने की आशंका थी। वास्तव में, महामारी तले कुचले जाने के कारण प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं विस्तार करने के बजाय सिकुड़ रही थीं। इसलिए वर्तमान संकट वैश्विक मंदी के लिए आदर्श नुस्खा था। सभी इस बात पर विचार कर रहे थे कि क्या मुद्रास्फीति क्षणिक होगी या अधिक दिनों तक चलेगी। कुछ प्रख्यात अर्थशास्त्रियों ने तर्क दिया था कि मुद्रास्फीति संरचनात्मक हो रही थी और इसे नियंत्रित करने के लिए भारी हस्तक्षेप की आवश्यकता होगी। असल में इसका मतलब ब्याज दरों में बढ़ोतरी की बड़ी खुराक था– जो कि कॉपी–बुक अर्थशास्त्रीय दवा है। दूसरों ने तर्क दिया कि मुद्रास्फीति अस्थायी थी और सावधानी के साथ व्यवहार करने की आवश्यकता थी। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने पूर्व के दृष्टिकोण से मुद्रास्फीति नियंत्रण का रुख किया था, यानी मुद्रास्फीति में बड़ी बढ़ोतरी और कीमतों पर नियंत्रण। इससे उसकी स्वतरू ही मंदी आ जाती। फेडरल रिजर्व के नवीनतम खुलासे उसकी पूर्व के सोच में बदलाव के संकेत देते हैं। यह निकट भविष्य में वैश्विक अर्थव्यवस्था में मंदी के बारे में धारणा में संभावित बदलाव का भी संकेत देता है। अब संकेत मिल रहे हैं कि विश्व अर्थव्यवस्था में निकट भविष्य में आने वाली मंदी की संभावना घट रही है। आखिरकार, वैश्विक मंदी से बचा जा सकता है, हालांकि उछाल वाली विकास दर की तत्काल वापसी नहीं होगी। जैसा कि संयुक्त राज्य के फेडरल रिजर्व ने अपनी नवीनतम मौद्रिक नीति परामर्श कार्रवाई जारी की है, इसकी व्याख्या इस संकेत के रूप में की जाती है कि भविष्य में ब्याज दरों में बढ़ोतरी सीमित की जायेगी। हो सकता है, फेड अल्पावधि में ब्याज दरें नहीं बढ़ायेगा। यह उन अर्थशास्त्रियों के लिए एक जीत है, जिन्होंने कहा कि हाल ही में समग्र कीमतों में तेज वृद्धि एक अस्थायी घटना थी और मूल्य वृद्धि शीघ्र ही समाप्त हो जानी चाहिए। यानी मुद्रास्फीति एक क्षणभंगुर घटना थी न कि बनी रहने वाली। अमेरिकी ट्रेजरी के पूर्व सचिव, हार्वर्ड विश्वविद्यालय के लॉरेंस समर्स, ने एम्बेडेड मुद्रास्फीति के आरोप का नेतृत्व किया था और इस प्रकार ब्याज दरों में तेज बढ़ोतरी सहित मुद्रास्फीति विरोधी उपायों के अन्तर्निहित होने की बात कही थी। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने इस साल की शुरुआत में एक बार में अपनी ब्याज दर में ऐतिहासिक 75 आध ार अंक की वृद्धि की थी। ब्याज दरों में गिरावट शेयर बाजारों के साथ–साथ मांग और निवेश के लिए अच्छी खबर है। दरों में बढ़ोतरी की प्रत्याशा में, निवेशक अपने फंड को इक्विटी निवेश से दूर बांड या ऋ ण में स्थानांतरित कर रहे थे। नतीजतन, ऋ ण प्रतिफल बढ़ रहे थे और स्टॉक जमीन खो रहे थे। दृष्टिकोणों को उलटने के साथ, निवेश के रुझान के उलटने की भी उम्मीद है। वैश्विक वित्तीय बाजारों में अमेरिकी वित्तीय संस्थानों का दबदबा है। वे बाजारों में भारी मात्रा में धन ले जाते हैं। तीसरी दुनिया के उभरते बाजारों से अपना फंड लेने के बजाय, ये संस्थागत निवेशक अमेरिकी ब्याज दरों पर नजर रखते हुए अपने निवेश योग्य फंड लेते हैं। अमेरिका में कम ब्याज की संभावनाओं के साथ, संस्थान अमेरिकी बाजारों से हटकर उभरते बाजारों में वापस आ रहे हैं। इस प्रकार, हम डॉलर विनिमय दरों में गिरावट और अन्य मुद्राओं में वृद्धि देख रहे हैं।

हर्षोल्लास के साथ मनाई गई फ्रीडम फाइटर की 142वीं जयंती

बिसवां नगर (सीतापुर) । प्रबुद्ध जयसवाल कल्याण समिति के तत्वावधान में राष्ट्रवादी इतिहासकार स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मुद्रा शास्त्री डॉ काशी प्रसाद जायसवाल की 142वीं जयंती व मेधावी सम्मान समारोह बड़े धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा, कैबिनेट मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नंदी, पूर्व मंत्री अनुपमा जायसवाल ने डॉ काशी प्रसाद जायसवाल के व्यक्तित्व कृतित्व पर चर्चा करते हुए उनके जीवन संघर्षो और राष्ट्र और समाज के प्रति योगदान को रेखांकित किया। इस मौके पर प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण छात्र–छात्राओं, सरकारी सेवा में कार्यरत अधिकारी व कर्मचारी तथा नव निर्वाचित विधायक एवं पूर्व मंत्री अनुपमा जायसवाल (बहराइच), रमेश जायसवाल (मुगलसराय), संजय जायसवाल विधायक को सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान इंजी. अखिलेश जायसवाल, डॉ मनीषा जायसवाल ने स्मारिका का विमोचन भी किया गया। इस मौके पर समिति ने डॉ काशी प्रसाद जायसवाल को भारत रत्न देने की मांग उठायी। विशिष्ट अतिथि महापौर संयुक्ता भाटिया ने बताया कि जल्द ही डा काशी प्रसाद जायसवाल द्वार का कार्य पूर्ण होगा। जिसके लिए धनराशि स्वीकृत कर दिया गया है, तथा छतरी का निर्माण भी पूर्ण होगा। कार्यक्रम के दौरान मोहित जायसवाल, अमित जायसवाल, नागेन्द्र, हरेराम जायसवाल, दीपक जायसवाल ने प्रदेश मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी को मुकुट पहनाकर सम्मानित किया। इस मौके पर अखिलेश जायसवाल, जीपी जायसवाल अध्यक्ष, सुरेश जायसवाल महामंत्री, राजकुमार गुप्ता राष्ट्रीय महामंत्री, ई हरीश चन्द्र जायसवाल, दीपू जायसवाल, रोहित जायसवाल, हरपाल सिंह कर्नवाल, श्रीकांत जायसवाल, श्रवण कुमार, हरीराम जायसवाल, डॉ राम कुमार जायसवाल लोगों ने कार्यक्रम में सहभाग किया।

गौरक्षक बने राहुल गुप्ता, क्षेत्र के तस्करों में हड़कम्प

.गाय की रक्षा के लिए संगठन को धार दे रहे हैं मो0 शमीम अंसारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बाराबंकी। राष्ट्रीय गौरक्षा वाहिनी का कारवा लगातार बढ़ता ही जा रहा है, जिससे क्षेत्र के गौतस्करों में हड़कम्प मच गया है। वहीं गाय प्रेमियों में खुशी की लहर दौड़ गई है।

राहुल गुप्ता के मनोयन से पूरे संगठन को एक नई ऊर्जा मिलेगी और वह गाय की समस्याओं को देखते हुए त्वरित कार्यवाही करते हुए उचित सुविधाएं उपलबध कराने के लिए 24 घण्टे तत्पर रहेंगे। गौरक्षा वाहिनी के जिलाध्यक्ष मो0 शमीम अंसारी ने लोगों से अपील किया कि कहीं भी कोई समस्या हो तत्काल अवगत कराये गायों के इलाज के साथ चारा पानी की भी उचित सुविधा दिलाई जायेगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय गौरक्षा वाहिनी के जिला उपाध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा के प्रस्ताव पर मसौली ब्लाक अध्यक्ष विशाल गुप्ता जी की सहमति से राहुल गुप्ता पुत्र गोपीचंद निवासी ग्राम चक मजरे रहरामऊ जनपद बाराबंकी को राष्ट्रीय गौरक्षा वाहिनी से मसौली ब्लाक का महामंत्री मनोनीत किये जाने पर क्षेत्र के गौरक्षकों में हर्ष की लहर दौड़ गई वही गौरक्षा वाहिनी के बढ़ते कारवा को देखकर गौतस्करों में हड़कम्प मच गया है। राष्ट्रीय गौ रक्षा वाहिनी के जिलाध्यक्ष मो0 शमीम अंसारी ने राहुल गुप्ता से उम्मीद की है कि वह कि आप संगठन की उपेक्षा अनुसार अपनी कौशल क्षमताओं से संपूर्ण मसौली ब्लाक में संगठन को विस्तारित कर जिले में हो रही गोवंश की अवैध तस्करी एवं गौहत्या एवं पशु क्रूरता को रोकने हेतु तन मन धन से प्रयास करेंगे।इस सम्बंध में राहुल गुप्ता ने कहा कि संगठन संचालन में पूर्ण सहयोग करेंगे, राष्ट्रीय गौरक्षा वाहिनी की ओर क्षेत्र की गायों की समस्याओं के सम्बंधित बढ़ चढ़कर निदान किया जायेगा। कहीं भी बीमार गाय व गाय से सम्बंधित किसी भी समस्या के लिए क्षेत्रवासी तत्काल सूचना दे सकते हैं, गाय की रक्षा के लिए मैं 24 घण्टे तत्पर रहूँगा। श्री गुप्ता को बधाई देने में वालों में मुख्य रूप से मो0 शमीम अंसारी, अवधेश वर्मा, अब्दुल मुईद, सुहैल अंसारी आदि तमाम लोग उपस्थित रहे और श्री गुप्ता के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएं दी।

व्यापारियों की समस्याएं तुरन्त निस्तारित कराया जाये: जिलाधिकारी

जिलाधिकारी संजीव रंजन ने किया जिला स्तरीय उद्योग बन्धु की बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। मंगलवार को जिला स्तरीय उद्योग बन्धु की बैठक जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी संजीव रंजन द्वारा पिछली बैठक की कार्यवृत्ति की समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने व्यापारियों की समस्याओं को सुना तथा सम्बन्धित अधिकारियों को उसके निस्तारण हेतु निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि व्यापारियों के जो भी समस्याएं है उन्हें निस्तारित कराया जाये तथा व्यापारियों को परेशान न करें। जिलाधिकारी ने उपस्थित व्यापारियों से कहा कि ऋण से संबधित आवेदन कर बैंको को उपलब्ध करा दे जिससे बैंको द्वारा स्वीकृत कराया जा सके। व्यापारियों द्वारा जिलाधिकारी से शोहरतगढ़ से गोरखपुर तक बस सेवा शुरू कराने का अनुरोध किया गया था। जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में क्षेत्रीय प्रबन्धक रोडवेज द्वारा बस शुरू करा दिया गया है व्यापारीगण बस सेवा शुरू होने से संतुष्ट हुये। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियन्ता विद्युत को निर्देश दिया कि सड़क के किनारे जर्जर विद्युत पोंल, क्षतिग्रस्त पोल को बदलवाने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने अधि0 अभि0 जल निगम को निर्देश दिया कि जिन गांवों में पाइप पेयजल योजना के तहत कार्य कराया गया है और सड़कों की खुदाई करके छोड़ दिया गया है उसको सम्बंधित ठेकेदार द्वारा जल्द से जल्द सही कराया जाये। अधिकारियों द्वारा व्यापारियों की समस्याओं का समय से समाधान करने के लिए जिलाधिकारी तथा जिला प्रशासन की व्यापारियों द्वारा प्रशंसा की गयी। इस बैठक में उपरोक्त के अतिरिक्त अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ, उपायुक्त उद्योग दयाशंकर सरोज, अधिशासी अभियन्ता विद्युत सिद्धार्थनगर, ए0आर0एम0 रोडवेज जगदीश, अधिशासी अभियन्ता लो0नि0वि0, तथा व्यापारियों आदि की उपस्थित रही।

हत्या के दोषी ससुर को उम्रकैद,बहु की कुल्हाड़ी से की थी हत्या

- हजार रुपये अर्थदंड, न देने पर दो माह की अतिरिक्त कैद
- जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित की जाएगी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पांच वर्ष पूर्व कुल्हाड़ी से हुई फूलकुमारी की हत्या के मामले में सत्र न्यायाधीश अशोक कुमार यादव की अदालत ने मंगलवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी ससुर रामलाल खरवार को उम्रकैद एवं 10 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर दो माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी पड़ेगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित की जाएगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक पिपरी थाना क्षेत्र के पकरहट गांव के टोला मगरहर गांव निवासी देवनरायन खरवार पुत्र नैपाल खरवार ने 6 दिसंबर 2017 को चोपन थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि उसने अपनी बेटी फूलकुमारी की शादी चोपन थाना क्षेत्र के कोटा गांव के टोला बभनमरी गांव निवासी रघुनाथ पुत्र रामलाल खरवार के साथ हुई थी। ससुराल जाने पर बेटी को उसका ससुर रामलाल मारता पीटता था। करीब एक माह पूर्व दामाद रघुनाथ बेटी की विदाई कराकर लाया था। आज सूचना मिली कि बेटी फूलकुमारी को शाम साढ़े चार बजे उसका ससुर रामलाल खरवार ने कुल्हाड़ी से सिर पर मार दिया है। बेटी को गांव वाले एम्बुलेंस से चोपन अस्पताल ले गए हैं। इस सूचना पर अपनी पत्नी के साथ चोपन अस्पताल गया तो देखा बेटी फूलकुमारी मरी पड़ी थी। बेटी को उसके ससुर रामलाल खरवार ने कुल्हाड़ी से मारकर हत्या कर दी है। आवश्यक कार्रवाई की जाए। इस तहरीर पर अभियुक्त रामलाल खरवार पुत्र स्वर्गीय सीताराम खरवार निवासी कोटा टोला बभनमरी थाना चोपन के विरुद्ध धारा 302 आईपीसी में मुकदमा पंजीकृत किया गया। विवेचना के उपरांत अभियुक्त रामलाल खरवार के विरुद्ध आरोप पत्र प्रेषित किए जाने के उपरांत विचारण सत्र न्यायालय सोनभद्र द्वारा किया गया। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी ससुर रामलाल खरवार को उम्रकैद एवं 10 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई।अर्थदंड न देने पर दो माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित की जाएगी। जिला शासकीय अधिवक्ता ज्ञानेंद्र शरण राय राज्य सरकार की ओर से अपने तर्क रखे।

पुलिस अधीक्षक ने दो आरक्षियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया

दैनिक बुद्ध का संदेश

मसौली बाराबंकी। शहाबपुर चौराहे पर स्थित मोबाईल शॉप से

डेढ़ दर्जन मोबाईल व अन्य सामान चोरी कर भाग रहे चोर को मसौली पुलिस के दो आरक्षियों ने दबोचकर चोरी का सामान बरामद करने पर पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने दोनों आरक्षियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।बताते चलें कि 27ध्28 नवम्बर की रात्रि में शहाबपुर चौराहे पर स्थित तौफीक अहमद की मोबाईल की दुकान से 18 मोबाईल,ब्लूटूथ व चार्जर चोरी कर भाग रहा था तभी पिकेट डियूटी पर मौजूद आरक्षी अंकुर कुमार व आरक्षी राजीव कुमार ने नहर पुलिया के निकट से गिरफ्तार कर चोरी के सम्पूर्ण मोबाइल,ब्लूटूथ व चार्जर, को बरामद किया था। पुलिस की गिरफ्त में आया चोर जहांगीराबाद थाना क्षेत्र के ग्राम मुनिमाबाद निवासी आनन्द यादव के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत जेल भेज दिया गया है। आरक्षियो द्वारा किये गये सराहनीय कार्य पर उत्साहवर्धन के लिए पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह मंगलवार को आरक्षी अंकुर कुमार व राजीव कुमार प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत 410 जोड़ो की हुई शादी

सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत वर वधू ने थामे एक दूसरे के हाथ

दैनिक बुद्ध का संदेश

बाराबंकी। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित माननीय मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत जिले में कुल 410 जोड़ो, जिसमें जीआईसी ऑडिटोरियम में 78 जोड़ो तथा रामनगर ऑडिटोरियम में 50 जोड़ो, हैदरगढ़ में 99 जोड़ो, रामसनेहीघाट में 101 जोड़ो, फतेहपुर में 82 जोड़ो का विवाह सम्पन्न किया गया। जीआईसी आडिटोरियम में मुख्य अतिथि सांसद उपेन्द्र सिंह रावत रहे। सांसद ने इस दौरान कहा कि मैं माननीय मुख्यमंत्री को ऐसी व्यवस्था करने के लिए हृदय से धन्यवाद देता हूँ। सामूहिक विवाह योजना के लिए किसी को कहीं दौड़ने की जरूरत नहीं है। इस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए ऑनलाइन आवेदन किया जाता है और उसका लाभ पात्र व्यक्ति को दिया जाता है। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि जो बहू अपने ससुराल जाने वाली है उसका सम्मान करिये, क्योंकि वह अपने माता, पिता, भाई को छोड़कर आपके घर जा रही हैं। उनके अच्छे सुखमय जीवन की कामना करते है।मुख्य विकास अधिकारी ने सभी का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि आज बड़े हर्ष का विषय है नवविवाहित जोड़ों का यहां पर मा0 मुख्यमंत्री जी की प्रेरणा से मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत विवाह कराया जा रहा है। उन्होंने नवविवाहित जोड़ों को बधाई दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का विजन है कि प्रदेश के गरीब परिवारों की विवाह योग्य कन्याएं धनाभाव के कारण अपने घरों में न बैठी रहें। सरकारी खर्च पर रीति–रिवाज के अनुसार उनका विवाह सम्पन्न हो जाए।धार्मिक रीति रिवाजों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विवाह के जोड़ो का काजी द्वारा निकाह कराया गया। सामूहिक विवाह कार्यक्रम के दौरान नव दम्पतियों को शासन द्वारा निर्धारित मानक के अनुसार उपहार भी भेंट किये गये।वहीं इस कार्यक्रम के दौरान मौजूद अति विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती राजरानी रावत, विशिष्ट अतिथि जिला अध्यक्ष भाजपा शशांक कुशमेश, सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों तथा गणमान्य व सम्भ्रान्तजन द्वारा नव विवाहित जोड़ों को सुखमय दाम्पत्य जीवन का आर्शीवाद देते हुए विदाई दी।

टैलेंट हंट प्रोग्राम में एन पी डी स्कूल की छात्राओं ने लहराया परचम

दैनिक बुद्ध का संदेश

बाराबंकी। मंगलवार को सरस्वती डेंटल कॉलेज तिवारीगंज

लखनऊ के 25 वें स्थापना दिवस के अवसर पर टैलेंट हंट कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न विद्यालयों के छात्र–छात्राओं ने भागीदारी कर अपनी प्रतिभा दिखाई। श्री नागेश्वर प्रसाद द्विवेदी पब्लिक स्कूल बीजेमऊ के होनहार छात्र छात्राओं ने भागीदारी कर नृत्य प्रतियोगिता में कक्षा 11 की छात्रा शैफाली ने प्रथम स्थान तो कक्षा 10 की छात्रा अनन्या द्विवेदी ने दूसरा स्थान प्राप्त विद्यालय का नाम रौशन किया। गीत गायन प्रतियोगिता में कक्षा नौ की छात्रा स्मृति और कक्षा सात की छात्रा प्रतीक्षा द्विवेदी ने क्रमशः प्रथम और तृतीय स्थान प्राप्त किया है कार्यक्रम आयोजक ने बच्चों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की एन पी डी विद्यालय के प्रबंधक अतुल दुबे ने बताया कि ऐसे कार्यक्रमों से बच्चों में आत्मविश्वास पैदा होता है इसलिए मेरा प्रयास रहता है कि स्कूल के बच्चे समस्त क्षेत्रों मे अपनी प्रतिभा को निखारे।

फर्जी निकला अवैध देह व्यापार का धंधा,आखिर पत्र लिखने वाला कौन

शिकायतकर्ता 17 कांस्टेबलों ने शिकायत करने की बात से किया इनकार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। एक वायरल पत्र ने पुलिस विभाग की नींद उड़ा दी वायरल पत्र में दो पुलिसकर्मियों की पत्नियों पर सेक्स रैकेट और मादक पदार्थों की तस्करी करने का आरोप लगा है 17 पुलिसकर्मियों के नाम से लिखे गए इस वायरल पत्र में पुलिस लाइन आवास कॉलोनी में पूरा रैकेट संचालित करने का आरोप है इस वायरल पत्र में सामने आने के बाद पुलिस अधीक्षक ने सभी शिकायत कर्ताओं को बुलाकर बात किया और बाद में मीडिया के सामने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस मामले का पटाक्षेप किया। कथित शिकायतकर्ता ने सामूहिक रुप से बताया कि यह वायरल पत्र पूरी तरह से फर्जी है उन्होंने बताया कि इस तरह की शिकायत पहले भी की गई थी। जिसको जांच में फर्जी पाया गया था। शिकायत कर्ताओं ने कहा कि उन्होंने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर अज्ञात के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है शिकायतकर्ता पुलिसकर्मियों ने बताया कि यह मामला पूरी तरह से फर्जी है किसी ने फर्जी तरीके से हम लोग के नाम और हस्ताक्षर बनाकर शिकायत की है। वहीं पुलिस अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह ने बताया कि सभी 17 शिकायतकर्ता उनके पीछे खड़े हैं और सभी ने किसी भी प्रकार का शिकायती पत्र न देने की बात कही है पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पहले भी इस तरह की शिकायत अज्ञात के द्वारा किया गया था जिसकी जांच कराई गई थी जो पूरी तरह से फर्जी पाया गया। शिकायतकर्ताओं की तरफ से हमें एक पत्र आज दिया गया है जिसमें इस विषय में जांच करके उस फर्जी शिकायतकर्ता के खिलाफ कार्रवाई करने और एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है।

नील गाय की टक्कर से टैंपो टैक्सी अनियंत्रित होकर पलटी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बाराबंकी। राह गिरो की मदद से एंबुलेंस के

जरिये इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया यह घटना आज लगभग बारह बजे की मेव हॉस्पिटल के पास हुई है टैक्सी भी क्षतिग्रस्त और टूट गई है कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत मेव हॉस्पिटल के समीप नीलगाय की टक्कर से अनियंत्रित होकर एक टेंपो पलट गया जिसमें चार लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल भेजा। नगर कोतवाली क्षेत्र के सफेदाबाद से बाराबंकी मार्ग पर मेव हॉस्पिटल के समीप दौड़ती हुई नीलगाय टेंपो से टकरा गई जिससे टेंपो अनियंत्रित होकर रोड पर ही पलट गया जिससे पवन कुमार निवासी रुदौली फैजाबाद व अमित वर्मा निवासी नौबस्ता थाना चिनहट जनपद लखनऊ दो अन्य साथी भी गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें अस्पताल भिजवाया गया। टेंपो में 7 लोग सवार थे 4 लोग जख्मी हुए बाकी लोग पलटते ही कूदकर भाग गए जिसमें चालक भी मौके से फरार हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टेंपो जा रहा था कि अचानक नीलगाय खेत से निकलकर सामने आ गई जो टेंपो के अगले हिस्से से टकरा गई जिससे टेंपो अनियंत्रित होकर रोड पर ही पलट गया। इस संबंध में पुलिस चौकी इंचार्ज ने बताया कि टेंपो पलटने में 4 लोग जख्मी हुए जिन्हें जिला चिकित्सालय उपचार के लिए भिजवाया गया।

रकबा से अधिक उर्वरक बिक्री करने पर केंद्र प्रभारी निलंबित

देवरिया। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में यूरिया एवं फास्फेटिक उर्वरकों विक्रय केंद्रों की निरंतर निगरानी की जा रही है। अब तक कुल 503 उर्वरक बिक्री केंद्रों पर छापे की कार्रवाई कर कुल 127 नमूने एकत्रित किए गए हैं। कृषकों को उनकी जोतबही से अधिक डीएपी उर्वरक बिक्री करने के कारण 05 फुटकर उर्वरक विक्रेताओं कमशरू मेसर्स अंजली फर्टिलाइजर, रामपुर मेसर्स फर्टिलाइजर सेंटर रामपुर, मेसर्स जनता खाद बीज भंडार, बनकटा जगदीश, मेसर्स बालाजी फर्टिलाइजर बैकुंठपुर एवं मेसर्स गुप्ता ट्रेडर्स रामपुर बाजार विकास खंड बनकटा का उर्वरक लाइसेंस निलंबित कर दिया गया है। साधन सहकारी समिति लिमिटेड गौर कोठी के प्रभारी सचिव पर प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराने की कार्रवाई की जा रही है। साधन सहकारी समिति लिमिटेड जिगनी के प्रभारी सचिव कमलेश यादव, साधन सहकारी समिति देसही देवरिया के सचिव भुआल कुशवाहा एवं सल्लहपुर साध ान सहकारी समिति के सचिव रामदरश राय को निलंबित कर उनके स्थान पर अन्य सचिव को नामित कर उर्वरक वितरित कराई जा रही है। साधन सहकारी समिति बारा दीक्षित, साधन सहकारी समिति डाला, साससलि अहिरौली बघेल एवं पीसीएफ कृषक सेवा केंद्र महेन बाबू के प्रभारी सचिव को किसानों से प्राप्त शिकायतों के क्रम में कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। कालाबाजारी, ओवर रेटिंग, व टैगिंग इत्यादि न हो तथा निजी एवं सहकारी क्षेत्र के प्रत्येक उर्वरक बिक्री केंद्रों पर रेट बोर्डध्स्टॉक बोर्ड पर दर एवं उपलब्धता का अंकन प्रत्येक दिन हो, तथा दुकान पर फलेक्स बैनर अनिवार्य रूप से लगाये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में डीएपी एवं एनपीके की 50 किग्रा प्रति बोरी का मूल्य 1350 रुपये एवं यूरिया का 45 किग्रा की प्रति बोरी का मूल्य 266.50 पैसे हैं।

पडरौना कोतवाली पुलिस ने दो शातिर चोरों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

कुशीनगर । जनपद के पडरौना कोतवाली पुलिस ने चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए चोरी गये रुपयों के साथ 2 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल के निर्देशन में वांछित, वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु जनपद में चलाये जा रहे अभियान के क्रम में सोमवार को थाना पडरौना कोतवाली पुलिस टीम द्वारा 2 अभियुक्त मु0अ0सं0 736ध्2022 धारा 379ध् 411ध्413 भादवि0 से संबंधित अभियुक्त मुकेश कुशवाहा पुत्र राधेश्याम कुशवाहा साकिन ढोरही सूरजनगर थाना नेबुआ नौरंगिया को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी का 1050ध्– रु0 बरामद किया तथा मु0अ0सं0 735ध्2022 धारा 457ध्380ध्411भादवि0 से संबंधित अभियुक्त राजन पुत्र शिवबचन साकिन खिरकिया मुकामी थाना को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी का 945ध्– रु0 की बरामदगी की गयी। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर पुलिस ने दोनों शातिर चोरों को जेल भेज दिया है। अभियुक्तों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्र0नि0 राज प्रकाश सिंह, उ0नि0 अजय कुमार पटेल, उ0नि0 प्रभात कुमार यादव, हे0का0 उदयभान मिश्रा, का0 बृजेश गुप्ता शामिल रहे।

कुशीनगर सहित पांच एयरपोर्ट की सुरक्षा एसएसएफ के हवाले

कुशीनगर। प्रदेश में अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा कुशीनगर सहित पांच एयरपोर्ट की सुरक्षा अब विशेष सुरक्षा फोर्स एसएसएफ के हवाले होगी। इसको लेकर तैयारी की जा रही हैं। सरकार ने प्रदेश के महत्वपूर्ण भवन, कचहरी, एयरपोर्ट और मेट्रो की सुरक्षा के लिए कुशीनगर समेत पांच जिलो में एसएसएफ का गठन किया है। काबिलेगौर हो कि शासनघ्ने पहले चरण में विशेष सुरक्षा बल यानि की एसएसएफ को गोरखपुर, कुशीनगर, प्रयागराज, बरेली और गाजियाबाद एयरपोर्ट की सुरक्षा सौंपने की तैयारी कर रही हैं। इसको लेकर दिशा निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं। खबर के अनुसार शासन ने कमांडेंट को पत्र लिखकर तीन माह में यह तैयारी पूरी करने के निर्देश दिए हैं। बहुत जल्द गोरखपुर, कुशीनगर, प्रयागराज, बरेली और गाजियाबाद एयरपोर्ट की सुरक्षा अब विशेष सुरक्षा बल एसएसएफ के हाथ में होगी।ध् दरअसल उत्तर प्रदेश के गोरखपुर और कुशीनगर के साथ साथ बरेली, प्रयागराज से प्रतिदिन फ्लाइट का संचालन किया जाता हैं। अब गोरखपुर व कुशीनगर सहित इन पांच एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था विशेष सुरक्षा बल को सौंपा जायेगा।

जनपद में बढ़ रहा हत्याओ का सिलसिला,फंदे के सहारे लटकता मिला महिला का शव

दैनिक बुद्ध का संदेश

मोहाना, सिद्धार्थनगर। जनपद में लगातार फंदे से लटकते शवो के मिलने से हड़कंप मचा गया है। लोग हैरान व परेशान दिखाई दे रहे है मंगलवार को फिर थाना क्षेत्र के डफालीपुर गांव के बाग में पेड़ की डाल से फंदे के सहारे लटकते महिला का शव मिला है महिला का हाथ पीछे से बंधा हुआ था और नाक से खून निकला हुआ था। इससे आशंका व्यक्त की जा रही है कि हत्या करके शव को फंदे से लटका दिया गया है। शव की शिनाख्त नहीं हो पाई। पुलिस ने पंचनामा करके पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।क्षेत्र के डफालीपुर गांव के पास स्थित बाग में पेड़ की डाल से फंदे के सहारे लटकता हुआ लोगों ने शव को देखा। इसके बाद गांव में जानकारी दे दी। सुनकर मौके पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई। इस बीच किसी ने घटना की जानकारी मोहाना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से शव को नीचे उतरवाया। हाथ पीछे से बंध हुआ और चेहरे पर खून के छींटे पड़े थे।जिससे देखकर लोगों ने हत्या की आशंका व्यक्त की है। प्रत्यक्षदार्शियों के मुताबिक जिस प्रकार से महिला को लटकाया गया था। इससे यह प्रतीत हो रहा था कि उससे संघर्ष हुआ और फिर उसकी हत्या की गई। दुष्कर्म होने से भी इनकार नहीं किया जा सकता है।महिला के शरीर पर गौर करें तो इस घटना में दो से अधिक लोग शामिल रहेंगे होंगे। क्योंकि महिला स्वस्थ्य है और एक व्यक्ति वारदात को अंजाम नहीं दे सकता है। फिलहाल पुलिस ने शव के शिनाख्त की घंटो कोशिश की, लेकिन पहचान नहीं हो सका। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस संबंध में एसपी अमित कुमार आनंद ने बताया कि प्रथम दृष्टया हत्या प्रतीत हो रहा है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस टीम मामले की जांच में लगी हुई है।

दुष्कर्म के आरोपी दरोगा ने पीड़िता को जान से मारने दी धमकी, केस दर्ज

शादी का झांसा देकर पीड़ित महिला से दुष्कर्म किया था आरोपी दरोगा ने

सलेमपुर। दुष्कर्म के आरोपी निलंबित दरोगा पर एक बार फिर से पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि महिला को केस वापस न लेने पर उसने जान से मारने की धमकी दी है। मामला को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने आरोपी दरोगा व नगर के एक युवक के खिलाफ जान से मारने की धमकी देने के मामले में केस दर्ज किया है। छह माह पूर्व दरोगा पर पीड़ित महिला के तहरीर पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का केस दर्ज हुआ था।

सलेमपुर कोतवाली क्षेत्र की एक महिला की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने पूर्व में कोतवाली में तैनात रहे दरोगा आदित्य सम्राट पर दुष्कर्म का केस दर्ज हुआ। आरोप था कि दरोगा आदित्य सम्राट शादी का झांसा देकर उससे दुष्कर्म करता रहा। उसने उसका अश्लील फोटो और वीडियो बना लिया था। इस मामले में तत्कालीन एसपी ने उसे निलंबित कर दिया। इसके बावजूद उसका सलेमपुर आना–जाना लगा रहा। 27 फरवरी को निलंबित दरोगा ने अपने मोबाइल नंबर से अपनी नग्न तस्वीर और वीडियो सीओ सलेमपुर के व्हाट्सएप ग्रुप में वायरल कर दिया। महिला ने दरोगा पर बदनाम करने का आरोप लगाते हुए कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई मांग की।

मामले को गंभीरता से लेते हुए कोतवाली पुलिस ने दरोगा आदित्य सम्राट के विरुद्ध छेड़खानी, जान मारने की धमकी और आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया था। विवेचना के बाद दुष्कर्म की धारा बढ़ा दी गई। उसके बाद वह पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहा था। दो माह बाद कोतवाली पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी दरोगा देवरिया रेलवे स्टेशन पर मौजूद है। वह किसी ट्रेन से कहीं भागने की फिराक में है। इसी दौरान आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

पीड़ित महिला ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया था कि आदित्य सम्राट तत्कालीन उपनिरीक्षक सलेमपुर के खिलाफ थाना सलेमपुर में मुकदमा दर्ज कराया है। इधर, करीब दो माह से आदित्य सम्राट व सलाहाबाद वार्ड नंबर चार निवासी अंकित साथ मोटरसाइकिल से हमारे दरवाजे के सामने से आ रहे हैं और तरह–तरह की बातें बोल रहे हैं।

साथ ही 23 नवंबर की रात करीब 8रू43 बजे आदित्य सम्राट ने कई बार हम प्रार्थिनी के मोबाइल पर अपने मोबाइल से फोन करके जान माल की धमकी दी। इसके चलते प्रार्थिनी के परिवार को लोग सदमे में है। मामला को गंभीरता से लेते हुए कोतवाली पुलिस ने देर शाम आरोपी दरोगा आदित्य सम्राट व नगर के वार्ड नंबर चार सलाहाबाद निवासी अंकित के खिलाफ जान से मारने की धमकी देने का केस दर्ज किया है। कोतवाल जितेंद्र सिंह ने बताया कि महिला के तहरीर पर केस दर्ज कर छानबीन की जा रही है।

एमसीएच विंग में महिला अस्पताल शिफ्ट करने की कवायद

एसएनसीयू तीसरी मंजिल पर स्थापित, प्रथम तल पर लेबर रुम तैयार करने का चल रहा कार्य

देवरिया। मेडिकल कॉलेज से संबद्ध जिला महिला अस्पताल को एमसीएच विंग में शिफ्ट करने की कवायद तेज कर दी गई है। एसएनसीयू स्थापित कर दी गई है। इससे बच्चों की माताओं को आराम करने के लिए भी पर्याप्त बेड हैं। वहीं, लेबर रूम आदि का कार्य भी चल रहा है। महिला अस्पताल पूरी तरह शिफ्ट हो जाने पर एक छत के नीचे ही सभी सुविधा उपलब्ध होगी। हालांकि, इसमें अभी तकरीबन पंद्रह दिन का समय लग सकता है। महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज से संबद्ध जिला महिला अस्पताल में जिले के विभिन्न क्षेत्रों के अलावा बिहार प्रांत के सीमावर्ती गांवों की महिलाएं आती हैं। ओपीडी में हर रोज करीब दो सौ से अधिक महिलाएं पहुंचती हैं। वहीं, गर्भवती प्रसव के लिए आती हैं। अस्पताल में तरकीबन 81 बेड हैं। वहीं, गर्भवती को अस्पताल गेट से लेबर रूम तक जाने में दूरी तय करनी पड़ती है। एसएनसीयू में जगह कम होने दिक्कत होती थी। इसे देखते हुए मेडिकल कॉलेज प्रशासन के निर्देश पर महिला अस्पताल को एमसीएच विंग में शिफ्ट करने का कार्य शुरू कर दिया गया है। सबसे पहले एमसीएच विंग के तृतीय तल पर एसएनसीयू को शिफ्ट कर दिया गया है। यहां पर्याप्त स्थान है। आमने–सामने दो वार्डों में बीस बेड की व्यवस्था की गई है। आने वाले समय में करीब दस बजे बढ़ाए जाने की संभावना है। दोनों वार्डों के बीच में स्टाफ नर्स को बैठने की व्यवस्था है। ताकि भर्ती बच्चों की निगरानी में उन्हें आसानी रहे। वहीं, चिकित्सक के लिए स्थान निर्धारित है। इसके अलावा तकरीबन दस बेड का केएसी वार्ड है। वहीं बच्चों के लिए फीडिंग रूम बनाया गया है, जहां महिलाएं बच्चों को दूध पिलाएंगी। इसके अलावा भर्ती बच्चों की मां के रहने के लिए अलग से वार्ड बनाए गए हैं, जिसमें बेड लगाए गए हैं।

यहां एक डाटा ऑपरेटर कक्ष भी बना है। इसमें बीमार बच्चों के एडमिशन, रेफर, लामा सहित अन्य आंकड़ा फीड किया जाएगा। वहीं भूमि तल पर इमरजेंसी लेबर रूम तैयार हो गया है। जबकि प्रथम तल पर स्थापित होने वाले मेन लेबर रूम को तैयार करने का कार्य चल रहा है। यह दो से तीन दिन के अंदर पूरा कर लिया जाएगा। जबकि ओटी तैयार होने में अभी समय लगेगा। एमसीएच विंग में पूरी तरह स्थापित होने के बाद महिलाओं व तीमारदारों को सहूलियत होगी। एसएनसीयू के प्रभारी डॉ. संतोष यादव ने बताया कि एमसीएच विंग में एसएनसीयू स्थापित कर दी गई है। यहां सभी सुविधाएं हैं। मरीजों के इलाज में आसानी तथा बच्चों की माता के लिए भी सुविधा उपलब्ध है। ये सुविधाएं उपलब्ध होंगी एसएनसीयू में नेबूलाइजर, वारमर, फोटोथेरेपी, सेंट्रल ऑक्सीजन सप्लाई, ऑक्सीजन कंसेंट्रेटर, दो वेंटीलेटर आदि सुविध ाएं हैं।

जनपद में पर्याप्त मात्रा में डीएपी व यूरिया उपलब्ध : डीएम

जिलाधिकारी ने की उर्वरक वितरण की समीक्षा

देवरिया। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कलेक्ट्रेट स्थित कार्यकक्ष में रबी बुआई के दृष्टिगत उर्वरक की उपलब्धता एवं वितरण की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जनपद में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध है। शासन की नीति के अनुरूप किसानों को प्राथमिकता के आधार पर उर्वरक उपलब्ध कराया जा रहा है। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद के कृषकों को उचित दर पर और समय से यूरिया एवं फास्फेटिक उर्वरक उपलब्ध कराने हेतु रबी सीजन में जनपद को माह नवंबर तक आवंटित डीएपी का लक्ष्य 9300 एमटी के सापेक्ष 17380 एमटी की उपलब्धता एवं 2289 एमटी एनपीके उर्वरक उपलब्ध है। यूरिया के लिए माह नवंबर तक निर्धारित लक्ष्य 11,300 के सापेक्ष 13,544 एमटी की उपलब्ध ता है। साथ ही 6911 एमटी यूरिया का प्री पोजिशनिंग स्टॉक उपलब्ध है। वर्तमान समय में जनपद के निजी क्षेत्र में तहसील देवरिया सदर क्षेत्र की 214 उर्वरक दुकानों पर 680 एमटी, तहसील सलेमपुर क्षेत्र के 83 उर्वरक बिक्री केंद्रों पर 381 एमटी, तहसील भाटपाररानी के 80 उर्वरक बिक्री केंद्रों पर 598 एमटी, तहसील बरहज के 58 उर्वरक बिक्री केंद्रों पर 163 एमटी एवं तहसील रुद्रपुर क्षेत्र के 52 उर्वरक बिक्री केंद्रों पर 269 एमटी डीएपी उपलब्ध है। जनपद के सहकारी क्षेत्रों में तहसील देवरिया सदर क्षेत्र की 37 साधन सहकारी समितियों पर 84 एमटी, तहसील सलेमपुर क्षेत्र की 17 समितियों पर 42 एमटी, तहसील भाटपाररानी की 14 समितियों पर 52 एमटी तहसील बरहज क्षेत्र की 12 समितियों पर 44 एमटी एवं तहसील रुद्रपुर क्षेत्र की 02 समितियों पर 14 एमटी डीएपी उपलब्ध है। इफको से प्राप्त 660 एमटी डीएपी एवं 560 एमटी एनपीके को जनपद के 105 सहकारी समितियों पर भेजी जा रही है। निजी क्षेत्र में कोरोमंडल की रैक से 1200 एमटी डीएपी प्राप्त हुई है। यह जनपद के समस्त क्षेत्रों में मांग के अनुसार भेजी जा रही है। आइपीएल एवं एनएफएल डीएपी की 02 रैक जनपद को इसी सप्ताह में प्राप्त हो रही है। इसमें जिले को कुल 2600 एमटी डीएपी प्राप्त हो रही है।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले डाक अधिकारी एवं कर्मचारियों को किया गया सम्मानित

गोरखपुर। भारतीय डाक विभाग गोरखपुर मंडल द्वारा आम जनमानस हेतु संचालित विभिन्न लघु बचत योजनाओं को डाक मंडल गोरखपुर के सभी उप मंडलों में वृहद रूप से मेगा लगाकर सभी तरह के खाते खोले गए मेगा कैंप में सबसे अधिक खाते खोलने वाले अधिकारी, कर्मचारी एवं ग्रामीण डाक सेवकों को आज प्रधान डाकघर में आयोजित समारोह में सम्मानित किया गया। सम्मनित होने वाले अधि ाकारी राजेश कुमार तिवारी सहायक अधिक्षक डाक घर गोरखपुर,एस बी सिंह डाक निरिक्षक पुर्वी उप मंडल,एस सी मिश्रा डाक निरिक्षक ऊरूवा उप मंडल निरिक्षक,लव कुमार शुक्ला डाक निरिक्षक कौडिराम, आलोक कुमार चौधरी डाक निरिक्षक आनंद नगर उप मंडल, सोने लाल पटेल डाक निरिक्षक महराजगंज उप मंडल के साथ साथ गोरखपुर मंडल के टाप तीन उप डाकपाल जिनके द्वारा सबसे अधिक खाते खोले गए उनमें चंदन केसरी उप डाकपाल कौडिराम को प्रथम पुरस्कार, नरेंद्र कुमार सिंह उप डाकपाल सहजनवा को द्वितीय, विनोद कुमार उप डाकपाल भट्टहट तृतीय पुरस्कार देने के साथ साथ मंडल के टाप तीन शाखा डाक पाल जिनके द्वारा सबसे अधिक खाते खोले गए उनमें अमित पांडेय शाखा डाकपाल महुअर कोल को प्रथम पुरस्कार, श्रीमती गौरी पांडेय शाखा डाकपाल पांडेपुर, को द्वितीय पुरस्कार,अशोक कुमार यादव शाखा डाकपाल रुपनारी को तृतिय पुरस्कार, संतोष कुमार राय डाक सर्वेक्षक ऊरूवा, प्रदीप मिश्रा कौडिराम एवं अन्य कर्मचारियों को संम्मानित किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रवर पोस्ट मास्टर प्रधान डाकघर गोरखपुर श्री विनय कुमार वार्ष्णेय के द्वारा किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में पोस्ट मास्टर जनरल गोरखपुर क्षेत्र श्री बी के वर्मा जी एवं प्रवर अधीक्षक डाकघर गोरखपुर मंडल श्री मनीष कुमार जी उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन ए के सुमन के द्वारा किया गया कार्यक्रम में अखिल भारतीय डाक कर्मचारी संघ, भारतीय डाक कर्मचारी संघ, राष्ट्रीय डाक कर्मचारी संघ गोरखपुर मंडल के कर्मचारी प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

हर गाँव सड़क योजना को मुँह चिढ़ाती दिख रहा है तियर केवटान का मार्ग

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोलाबाजारध्गोरखपुर। देश को आजाद हुए 75 बर्ष पूरे हो चुके हैं, लेकिन गोरखपुर जिले के दक्षिणांचल में स्थित तियर गाँव का केवटन टोला अब भी बुनियादी सुविधाओं का इंतजार कर रहा है।उत्तर प्रदेश ने तत्कालीन मुख्यमंत्री ने 2017 में जब उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री बने तब उन्होंने सड़को का जाल बिछने की बात कही और जहाँ तक हो सका उन्होने पांच सालों में सड़के भी बनवायी और उसके बाद फिर उनकी सरकार सड़क बनवा रही है। लेकिन आज भी तियर का केवटान टोला बुनियादी सुविधाओं के लिए टकटकी लगाए बैठे है।वर्ष 2017 में राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में योगी आदित्यनाथ बने तो गांव में बसे लोगों ने सोचा था कि अब इलाके का तेजी से विकास होगा. लेकिन उनका ये सपना सपना ही रह गया, हकीकत में तब्दील नहीं हो सका। प्राप्त बिबरन के अनुसार जिले के दक्षिणांचल में स्थित तियर गांव का केवटान टोला के लोगों को आज भी सड़क, बिजली, पानी, दवा जैसी बुनियादी सुविधाओं के अभाव में जीना पड़ रहा है. अगर बारिश के समय गांव में कोई गंभीर रूप से बीमार पड़ जाता है तो उसे खाट पर लिटा कर दो किलोमीटर दूर पक्की सड़क तक ले जाना पड़ता है। विडंबना यह है कि उत्तर प्रदेश के तेजी से विकास और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने के नाम पर ही राज्य में फिर से योगी जी की 0.2 की सरकार बनी, लेकिन दुर्भाग्य से इन ग्रामीणों की दिक्कतों का ही कोई अंत नजर नहीं आता। तियर गांव के केवटन टोला में करीब 60 घर हैं. 250 से ज्यादा लोगों की आबादी वाला ये छोटा सा टोला दो गावों की सीमा पर बसा हुआ है।प्रसिद्ध स्वयं भू बाबा तिलेश्वर नाथ 1.5 किलोमीटर की दूरी स्थित पर है.। गांव के लोग लंबे समय से सड़क, बिजली, पानी और दवा जैसी बुनियादी सुविधाओं की गुहार लगा रहे हैं, लेकिन शासन–प्रशासन की ओर से सुनवाई नहीं की जा रही है। ग्रामीणों को सड़क का इंतजार गांव के लोगों की दिक्कतें समझने के लिए पहुंची पत्रकारों की टीम को भी मुख्य सड़क 2 किलोमीटर पैदल चलना पड़ा. ये गांव गोरखपुर जिले के मुख्यालय से 36 किलोमीटर दूर स्थित है गांव के लोग कहते हैं कि बाहर का कोई शख्स इस गांव में अपनी बेटी की शादी नहीं करना चाहता. यहां के लोगों को अनाज के लिए भी 2 किलोमीटर दूर चलना पड़ता है. 108 एम्बुलेंस योजना के तहत घर के द्वार तक पहुंचने में भी असमर्थ है. पक्की सड़क न होने की वजह से गांव के बच्चों की भी अच्छी शिक्षा के लिए भी स्कूलों तक पहुंचने कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। गांव के लोगों की दिक्कतों का मुद्दा मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी किया पर वहाँ से भी कोई भी सहायता नहीं मिली. लोगों ने कई बार इसकी शिकायत लिखित रूप में अपने विधायक और सांसद को भी की पर आज तक उससे भी कोई लाभ नहीं हो पाया। अब देखना है कि ये वादे कब तक पूरे होते हैं. इस गांव के लोगों को वोट के नाम पर राजनेता हर चुनाव में वादे तो लंबे चौड़े करते हैं लेकिन चुनाव जीतते ही गांव की बदहाली से आंखें मोड़ लेते हैं।

संजय राय पहलवान ने उत्तर प्रदेश को दिलाया स्वर्ण पदक

गोरखपुर। नंदनी नगर महाविद्यालय में दिनांक 24 नवंबर से 27 नवम्बर तक भारतीय कुश्ती संघ एवं ग्रेपलिंग कमेटी आफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सिनियर राष्ट्रीय ग्रेपलिंग रेसलिंग चौंपियनशिप में संजय कुमार राय ने 66 किलोग्राम भार वर्ग में उत्तर प्रदेश को स्वर्ण पदक दिलाया सफलता के आधार पर इनका चयन भारतीय ग्रेपलिंग कुश्ती टीम में किया गया है जो साऊथ एशियन ग्रेपलिंग कुश्ती चौंपियनशिप काठमांडू में भाग लेगी इनकी इस सफलता पर पिता राजबहादुर राय भाई आशीष राय

एवं माता शिला राय के साथ डा अमरेन्द्र राय ऐन्थम हेल्थ केयर, चन्द्र विजय सिंह ओलंपिक कुश्ती कोच, जनार्दन सिंह यादव उत्तर प्रदेश केशरी,शिव सागर राय,आर एस चन्द, रघुवंश हिंदू,अनिल राय,कोटेन्द्र पांडेय,राजन राय, दिलिप कुमार, डॉ अमित मिश्रा, आशुतोष दुबे, धनंजय राय चन्दन, एवं प्रवर अधीक्षक डाकघर मनिष कुमार,प्रवर पोस्ट मास्टर प्रधान डाकघर गोरखपुर विनय कुमार वार्ष्णेयन आदि के द्वारा इनकी इस सफलता पर हार्दिक बध ाई देते हुए इनके उज्वल भविष्य की कामना किया गया

एडीजी–112 की पहल पर मंगलवार से जागरूकता कार्यक्रम शुरू

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। एडीजी–112 अशोक कुमार सिंह के दिशा निर्देशन मे जनपद सोनभद्र में एक सप्ताह का जागरूकता कार्यक्रम मंगलवार से शुरू हुआ. कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक, एलईडी वैन व नुक्कड़ सभा कर नागरिकों को यूपी–112 की सेवाओं से जागरूक किया गया. डॉ यशवीर सिंह पुलिस अधीक्षक के दिशा निर्देश पर जागरुकता टीम का नेतृत्व कर रही मुख्यालय की अपर पुलिस अधीक्षक मोहिनी पाठक ने बताया कि पुलिस की टीमें नागरिकों को जानकारी दे रही हैं कि केवल झगड़े व मारपीट में ही नही बल्कि किसी भी आपात स्थिति जैसे आग लगने, प्राकृतिक आपदा, मेडिकल इमरजेंसी में भी आप 112 नम्बर डायल कर मदद प्राप्त कर सकते है। जनपद सोनभद्र के में जागरूकता कार्यक्रम का

■ जनपद सोनभद्र में 07 दिवसीय कार्यक्रम आरम्भ हुआ
■ आपात स्थिति में कैसे लें पुलिस की सहायता पुलिस की टीमों ने बताया

रेणुकूट कस्बे के आदित्य बिरला इंटर कॉलेज मे विधार्थियों को 112 की सेवाओं व साइबर क्राइम से रूबरू कराया गया, यूपी–112 मुख्यालय की अपर पुलिस अधीक्षक मोहिनी पाठक की उपस्थिति शुभारम्भ हुआ. इस मौके पर लोकगीतों के माध्यम से कलाकारों ने 112 की योजनाओं से नागरिकों को अवगत कराया, जिसका बच्चो ने तालियाँ बजाकर स्वागत किया। अपर पुलिस अधीक्षक मोहिनी पाठक ने बच्चो के सभी प्रश्नों के उत्तर दिए, इस अवसर पर स्कूल के प्रधानाचार्य डॉ. दयानंद शुक्ल ने 112 सेवाओ की जानकारी देने के लिए पुलिस को धन्यवाद दिया। जनपद में ही दूसरा कार्यक्रम तुर्रा तिराहे पर किया गया जिसमे भारी मात्रा में व्यापारियों, महिलाओ व बच्चो के साथ–साथ स्कूल के विध्यार्थियों ने आपात सेवा 112 की योजनाओ को समझा इसी क्रम में तीसरा व चौथा कार्यक्रम क्रमशरू अनपरा बाजार व रेणुकोट बाजार में किया गया। जहा पर नुक्कड़ नाटक की टीम द्वारा लोकगीतों व नाटक के माध्यम से वरिष्ठ नागरिको सवेरा योजना व महिलाओ के लिए विशेष नाईट इस्कॉर्ट योजना के बारे में बताया गया। महिलाओं व बुजुर्गों के लिए योजनाएँ महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलम्बन सरकार की प्राथमिकता में है। घरेलू हिंसा पीड़ित महिलाओं के लिए 112 की ओर से 'प्रबल प्रतिक्रिया' दी जाती है। योजना में पीड़ित महिला 112 पर कॉल कर अपना पंजीकरण करवा सकती है। पंजीकृत महिला की शिकायत पर महिला पीआरवी तत्काल सहायता के लिए पहुँचती है। इसके साथ साथ टीमों द्वारा उत्तर प्रदेश पुलिस की ट्वीटर सेवा, यूपी कॉप ऐप, 1090 व साइबर क्राइम के प्रति भी लोगों को जागरुक किया गया। बुजुर्गों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए 112 द्वारा सवेरा योजना शुरू की गयी है। योजना में कोई भी बुजुर्ग पंजीकरण करवा कर कभी भी पुलिस सहायता ले सकते है। इस मौके पर यूपी–112 मुख्यालय से यूपी–112 मीडिया सेल प्रभारी करुणा शंकर सिंह, इंस्पेक्टर 112 सोनभद्र सत्यप्रकाश यादव, इंस्पेटर थाना पिपरी दिनेश कुमार मिश्रा, उपनिरीक्षक–महेंद्र यादव, पीआरवी ३०६६, एसआई संतोष तिवारी व असि. ऑपरेटर अभिषेक सिंह मुख्य रूप से मौजूद रहे।

सिंगल युज प्लास्टिक, मेरा प्लास्टिक मेरी जिम्मेदारी, ग्राम पंचायत बहुआर में चला अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। सदर बिकास खंड के ग्राम पंचायत बहुआर में मेरा

प्लास्टिक मेरी जिम्मेदारी का चला अभियान जिलाधिकारी चन्द्र बिजय सिंह व मुख्य बिकास अधिकारी सौरभ गंगवार द्वारा सिंगल युज प्लास्टिक के खिलाफ शुरू किये गये अभियान मेरा प्लास्टिक मेरी जिम्मेदारी के तहत ग्राम पंचायत बहुआर मे लोगों को जागरूक किया गया तथा जगह जगह बोरिया टांगी गयी जिसमें लोग प्लास्टिक इधर उधर फेकने के बजाय उसमें डालें गाँव को स्वच्छ बनाने में मदद करें उक्त अवसर पर खंड बिकास अधिकारी उमेश सिंह, एडिओ पंचायत कृपाशंकर शुक्ला, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि। आशुतोष त्रिपाठी, धनंजय त्रिपाठी, कोटेदार रामकेवल, सुशील कुमार, रिंकू, शिवसागर, ग्राम पंचायत सदस्य गण रोजगार सेवक, रामदेव, हरिहर, उपस्थित रहे।

नकली शराब बनाने व बेचने वाले गिरोह का पुलिस ने किया भंडाफोड़

दैनिक बुद्ध का संदेश

घोरावल/सोनभद्र। घोरावल कोतवाली क्षेत्र के मुक्खा गांव में नकली व मिलावटी शराब बनाने के गिरोह का पुलिस ने खुलासा किया है। रविवार देर रात तक चली कार्यवाही में पुलिस ने 1717 शीशियों व 10 डिब्बों में 460 लीटर नकली

शराब,हजारों ढक्कन, नकली क्यूआर कोड इत्यादि बरामद करते हुए मौके से 3 लोगों को गिरफ्तार किया है।वहीं मुख्य आरोपी समेत 4 आरोपी फरार चल रहे हैं।नकली शराब के गिरोह का खुलासा करने वाली टीम को पुलिस अधीक्षक ने 10000 रुपये पुरस्कार दिया है। पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में क्षेत्राधिकारी सीओ संजीव कटियार के निकट पर्यवेक्षण एवं प्रभारी निरीक्षक गोपालजी गुप्ता के नेतृत्व में पुलिस एवं आबकारी टीम द्वारा रविवार रात मुक्खा गांव में सरकारी राशन की दुकान संचालित होने वाले एक मकान में छापेमारी की गई।यहां 1717 शीशियों एवं 10 डिब्बों में कुल 460 लीटर नकली शराब, 3713 नए व पुराने ढक्कन, 1360 नकली क्यूआर कोड, 12840 रुपये नगदी इत्यादि सामान बरामद किया गया।मौके से 3 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।इस सम्बंध में सीओ संजीव कटियार ने बताया कि मुक्खा निवासी नीरज सिंह पुत्र अनिरुद्ध सिंह, लहास निवासी गोपाल सिंह पुत्र देवनारायण सिंह, पुरना गांव निवासी शिवधनी पुत्र लक्खन, राबर्ट्सगंज निवासी राहुल पुत्र अज्ञात, पुरना गांव निवासी यशवंत पुत्र रामनरेश यादव, घोरावल निवासी अंशुमान प्रजापति पुत्र रामनरायन, मुक्खा निवासी जगदीश यादव उर्फ वैद पुत्र प्रसाद यादव के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।इनमें से यशवंत, अंशुमान प्रजापति व जगदीश यादव को मौके से गिरफ्तार किया गया है। जबकि 4 अन्य आरोपी फरार चल रहे हैं, जिनकी तलाश में दबिश दी जा रही है। पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस टीम को दस हजार रुपए इनाम की घोषणा किए। तथा इस संबंध में विभाग द्वारा छानबीन कर कुछ और दुकान पर कार्यवाही की जा सकती है।नकली शराब के रैकेट का भंडाफोड़ करने वाली टीम में सीओ संजीव कटियार,प्रभारी निरीक्षक गोपालजी गुप्ता, आबकारी निरीक्षक अभयकृष्ण चौधरी,चौकी प्रभारी वंश नारायण राय, एसआई अजय कुमार पांडेय, एसआई अमरजीत चौहान, हेड कांस्टेबल राजेश दुबे,कांस्टेबल आत्माराम गिरि, सुनील चौरसिया, रामआशीष प्रजापति, दिनेश यादव, संजय कुमार, महिला कांस्टेबल अरायना सिद्दीकी शामिल रहे।

एबीपीएस रेणुसागर में वार्षिक कला एवं विज्ञान प्रदर्शनी

दैनिक बुद्ध का संदेश

अनपरा,सोनभद्र। आदित्य बिड़ला पब्लिक स्कूल, रेणुसागर में वार्षिक कला एवं विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें 400 से भी अधिक छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। प्रदर्शनी के दौरान भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान तथा कला एवं हस्तशिल्प विभाग के छात्र–छात्राओं द्वारा आकर्षक मॉडल प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्य अतिथि के रूप में रेणुसागर के यूनिट हेड व विद्यालय के अध्यक्ष केपी यादव ने फीता काट कर एवं दीप प्रज्ज्वलित करके प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में रेणुसागर के एचआर हेड व विद्यालय प्रबंधक शैलेश विक्रम सिंह उपस्थित रहे। प्रारंभ में विद्यालय की प्रधानाचार्या बिद्या चौटर्जी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।इसके बाद अतिथियों एवं अभिभावकों ने भौतिक विभाग, रसायन विभाग और जीव विज्ञान विभाग द्वारा प्रस्तुत विज्ञान प्रदर्शनी तथा कला एवं हस्तशिल्प विभाग द्वारा प्रस्तुत कला प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इसके अंतर्गत स्मार्ट डस्टबीन, ट्रेन दुर्घटना रोकथाम प्रणाली, ऑटोमेटिक जेब्रा क्रॉसिंग, बैंक सिक्योरिटी अलार्म, स्टाकर स्टिक, वर्षा जल संरक्षण, लावा लैम्प व शुगर लैम्प, जल से प्रज्ज्वलित दीप,

प्लास्टिक पुनर्चक्रण, गणितीय लैम्प, स्मार्ट हेलमेट, पशुरोधी यन्त्र, नदी सफाई यन्त्र, इत्यादि मॉडल प्रस्तुत किए गए जिनका दर्शकों ने जिज्ञासापूर्वक अवलोकन किया। कला एवं हस्तशिल्प विभाग की ओर से विद्यालय के उद्यान में प्रदर्शित फोटो फ्रेम, ग्लास पेंटिंग, मधुबनी पेंटिंग, वर्ली पेंटिंग, गोंडवाना पेंटिंग, पट्टचित्र पेंटिंग, कचरा निर्मित कलाकृतियों तथा मिट्टी एवं सूखे पत्तों से निर्मित कलाकृतियों ने दर्शकों को मन्त्रमुग्ध कर दिया। इसके अलावा इस प्रदर्शनी में भारतीय लोक चित्रकला, बार्क वर्क, मार्ल पेंटिंग, पीवीसी पॉट, कोस्टर इत्यादि दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रहे।इस अवसर पर सुदीप्तो नायक, परेश ढोले, ललित खुराना, हितेंद्र झा, आरसी पाण्डेय सहित भारी संख्या में आगन्तुकों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर छात्रों का उत्साहवर्धन किया। विज्ञान प्रदर्शनी का निर्देशन समीर श्रीवास्तव, राहुल दत्ता, ए के मिश्रा, रचना श्रीवास्तव एवं प्रीति श्रीवास्तव ने किया जबकि कला प्रदर्शनी का निर्देशन इंदु सिंह मैरी वोहरा और शाहीना एस ने किया। इसके अलावा कार्यक्रम के आयोजन में एमके मिश्रा, एके सिंह, आरती प्रसाद, ए के गुप्ता, एस बनर्जी, सरिता जैन, कल्याणी देवराजन, वीके तिवारी, इंदु तिवारी, शैली हर्ष, पीआर सिन्हा, पीके पाण्डेय, एलके अग्रवाल, मनीष शर्मा, पीयूष जोशी, शिप्रा टंडन, एके राय, कौस्तव घोष, एसके सिंह, मनोरमा पाण्डेय, के के चौधरी, अंशुल सिंहल, दीपशिखा, विल्सन जोसेफ, अजय रवानी जीसी सिंह, जेके पाण्डेय, आऊडी प्रजापति व सखाराम सहित सभी शिक्षकों एवं कर्चारियों का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन नंदिता रॉय बाउल ने किया।

एनसीएल स्थापना दिवस पर अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर लव वर्मा को किया गया सम्मानित

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। 38 वां एनसीएल स्थापना दिवस पर सिंगरौली

स्टेडियम में एनसीएल द्वारा अनपरा के अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग क्रिकेट खिलाड़ी लव वर्मा को एनसीएल सिंगरौली के अध्यक्ष–सह–प्रबंधा निदेशक भोला सिंह के करकमलों द्वारा दिया गया। इसके अलावा रॉबर्ट्सगंज से रामबाबू को राष्ट्रीय खेल में राष्ट्रीय स्तर पर 35 किमी का रिकॉर्ड बनाने पर उन्हें भी सम्मानित किया गया। एनसीएल के 38 वें स्थापना दिवस पर सोनभद्रधसिंगरौली मिलाकर सोनभद्र से 2 खिलाड़ियों जिसमें 1 अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी अनपरा और 1 राष्ट्रीय खिलाड़ी रॉबर्ट्सगंज से शामिल है उन्हें सम्मानित किया, जनपद से 2 खिलाड़ियों के सम्मानित करने से जनपदवासियों में हर्ष व्याप्त है। इस मौके पर नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड सिंगरौली के अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशक (सीएमडी) भोला सिंह, पूर्व सीएमडी बी.के.सिंह, एवं सुश्री शांति लता साहू पूर्व कोल प्रभारी (बीएमएस) डॉ.बी.के.राय, महाप्रबंधक (कार्मिक) एस.एस.हसन, उपप्रबंधक (कार्मिक),कौशल कुमार, रामाशंकर प्रसाद, इंदूबाला आदि उपस्थित रहे अधिवक्ता पवन कुमार सिंह प्रेरणा हिन्दी प्रचारिणी सभा उत्तर प्रदेश का वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष एवं प्रदेश प्रवक्ता मनोनीत

करमा ब्लाक में अब तक 76 किसानों से 3384 कुन्तल धान की खरीद

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। करमा ब्लाक अन्तर्गत धान क्रय केन्द्रों पर

कुल अब तक 3384 कुन्तल की खरीद हुई है जिसमें करमा 30 किसानों से 1400 कुन्तल, फुलवारी 10 किसानों से 381 कुन्तल 60 किलो, पापी 36 किसानों से 1602 कुन्तल 40 किलो जानकारी देते हुए प्रभारी सचिव धीरज तिवारी ने बताया कि फिजिकल व आनलाइन बोरिया सब उपलब्ध है किसी भी प्रकार की कोई समस्या नहीं है किसानों द्वारा भी भरपूर सहयोग मिल रहा है पेमेंट प्रक्रिया में है दो से तीन दिन में हो जायेगा।

अधिवक्ता पवन कुमार सिंह वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष एवं प्रदेश प्रवक्ता मनोनीत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। राबर्ट्सगंज निवासी अधिवक्ता, कवि, समाजसेवी एवं सामाजिक संस्था पूर्वांचल राज्य जनमोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव पवन कुमार सिंह को उनके द्वारा समसामयिक सराहनीय वहुमुखीय गतिविधियों का सम्मान करते हुए प्रेरणा हिन्दी प्रचारिणी सभा–उत्तर प्रदेश के प्रदेश संयोजक कवि इंद्रजीत तिवारी निर्भीक–गाजीपुर, प्रदेश महासचिव डॉ.सुबाष चंद्र–वाराणसी एवं महिला शाखा की प्रदेश संयोजिका कवयित्री मणिबेन द्विवेदी के प्रस्ताव पर तत्काल प्रभाव से प्रेरणा हिन्दी प्रचारिणी सभा के संस्थापक कवि संगम त्रिपाठी–जबलपुर द्वारा मनोनीत किया! अनेकों संस्थाओं के लोगों ने भव्य स्वागत करते हुए प्रसन्नता व्यक्त किया। उक्त अवसर पर पवन कुमार सिंह एडवोकेट ने कहा कि हिंदी प्रचारिणी सभा एक सांस्कृतिक, सामाजिक एवं साहित्यिक संस्था है जिसका उद्देश्य है हिंदी भाषा तथा हिंदू संस्कृति की रक्षा तथा प्रचार–प्रसार करना. इसका आदर्श वाक्य है "भाषा गयी तो संस्कृति गयी। मेरा पूरा प्रयास हिन्दी और हिन्दुस्तान के सर्वांगीण विकास के समर्पित है। यथा संभव पूरे मनोयोग से मैं सदैव अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते रहने का प्रयास करूंगा। उक्त अवसर पर प्रमुख रूप से प्रेरणा हिन्दी प्रचारिणी सभा–उत्तर प्रदेश की महिला शाखा अध्यक्ष–कवयित्री अनामिका अर्श, प्रदेश महासचिव एवं उत्तर प्रदेश लखनऊ प्रभारी सुनीता चतुर्वेदी, प्रदेश उपाध्यक्ष कवयित्री झरना मुखर्जी, प्रदेश मंत्री कवयित्री सरिता चौहान बदायूं, शिवप्रकाश चौबे, संदीप जायसवाल,अशोक कनौजिया, पवन कुमार द्विवेदी सहित अनेकों लोगों ने अपनी प्रसन्नता का इजहार किया।

नगर पंचायत अनपरा द्वारा कार्ययोजना का लोकार्पण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।नगर पंचायत अनपरा द्वारा मंगलवार को लगभग 18

करोड़ से ऊपर कार्य योजना का लोकार्पण एवं शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि राज्यमंत्री समाज कल्याण संजीव सिंह ने फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया इस अवसर पर ऊर्जांचल के गणमान्य लोग के अलावा नगर पंचायत अनपरा के अधिशासी अधिकारी अंशुमान सिंह, साडा के सचिव नामित सदस्य केसी जैन बागवानी बोर्ड के निर्देशक जगदीश पर सवार समाजसेवी आरती सिंह जिला अध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा सरजुग बैसवार महामंत्री मंडल अनपरा प्रमोद शुक्ला पूर्व मंडल अध्यक्ष युवा मोर्चा कृष्णा सिंह अरिजीत सिंह कंग सुरेश सिंह अशोक गुप्ता जुगल किशोर संजीव सिंह संजू सहित नगर पंचायत लिपिक गणेश तिवारी आनंद मौर्य अविनाश कुमार सिंह व अन्य मौजूद रहे।

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458
संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा
9415163471, 9453824459
दैनिक बुद्ध का संदेश
9795951917,9415163471
@budhakasandesh
budhakasandeshnews@gmail.com
www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:– 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:– 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:– 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:– 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:– 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:– 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:– 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:– 9454400305
थाना मोहाना	मो0:– 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:– 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:– 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:– 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:– 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:– 9454404244
थाना शोहरतगढ़	मो0:– 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:– 9454404236
थाना इटवा	मो0:– 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:– 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:– 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:– 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:– 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:– 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:– 9454404232
थाना लोटन	मो0:– 9454404237
महिला थाना	मो0:– 9454404891

राष्ट्रीय दैनिक
बुद्ध का संदेश

सर्दी–खांसी होने पर तुरंत खा लेते हैं एंटीबायोटिक दवाएं? स्वास्थ्य के लिए है खतरा

सर्दी–खांसी से लेकर कई ऐसी छोटी–छोटी समस्याएं हैं, जिनसे तुरंत आराम पाने के चक्कर में ज्यादातर लोग डॉक्टरी सलाह के बिना ही धड़ल्ले से एंटीबायोटिक्स दवाओं का सेवन करने लगते हैं। यह पूरी तरह से गलत है। हर किसी को पता होना चाहिए कि एंटीबायोटिक्स एक एंटी–बैक्टीरियल पदार्थ है, जो बैक्टीरिया के खिलाफ सक्रिय होता है।बिना चिकित्सक के परामर्श के इनका इस्तेमाल परेशानी पैदा सकता है। आइए जानते हैं कि एंटीबायोटिक्स का अधिक सेवन स्वास्थ्य के लिए खतरा कैसे है।

एंटीबायोटिक्स क्यों हैं खतरनाक?

एंटीबायोटिक्स खतरनाक नहीं है, लेकिन जानकारी के अभाव में इसे आम दवा समझकर–धड़ल्ले से खाना स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकता है। एंटीबायोटिक्स दवाइयां बाजार में आसानी से उपलब्ध होती हैं और केमिस्ट भी बिना किसी डॉक्टर की पर्ची के इन्हें बेच देते हैं। कई झोलाझाप डॉक्टर सामान्य सर्दी–जुकाम के लिए भी एंटीबायोटिक्स लिख देते हैं। इससे भविष्य में बड़ा खतरा हो सकता है। ऐसे में हमेशा अपनी समस्याओं के इलाज के लिए अनुभवी डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

सामान्य सर्दी–खांसी में एंटीबायोटिक्स लेने से बचना चाहिए, क्योंकि ये वायरल संक्रमण है।

इन समस्याओं के लिए एंटीबायोटिक्स देता है तो उनसे यह जरूर पूछें कि क्या सच में आपको एंटीबायोटिक्स की जरूरत है? उन्होंने आगे बताया कि टॉन्सिल, बलगम वाली खांसी, किडनी संक्रमण या यौन संक्रमण आदि बैक्टीरियल संक्रमण होने पर डॉक्टर्स के लिए एंटीबायोटिक्स देना जरूरी हो जाता है।

किन एंटीबायोटिक का होता है सबसे अधिक इस्तेमाल?

सिप्लॉक्स टीजेड, नॉरफ्लोक्स, एमोक्सिसिलिन और एजिथ्रोमाइसिन नामक एंटीबायोटिक्स का इस्तेमाल सबसे ज्यादा किया जाता है। इनका आवश्यकता से अधिक इस्तेमाल करना लोगों के शरीर को आगे चलकर काफी प्रभावित कर सकता है।

एंटीबायोटिक्स का इस्तेमाल सिर्फ डॉक्टर की सलाह से ही क्यों करना चाहिए?

हर तरह के संक्रमण के लिए अलग–अलग एंटीबायोटिक्स की जरूरत होती है। यदि आप बिना डॉक्टर की सलाह के किसी भी एंटीबायोटिक दवा का सेवन करने लगते हैं तो आपका शरीर उसके साथ संयोजना बैठा लेगा और जब आपको उसकी जरूरत होगी तो वह काम नहीं करेगी। दरअसल, एंटीबायोटिक्स लेने से सभी बैक्टीरिया नहीं मरते और जो बच जाते हैं, उन्हें उस एंटीबायोटिक्स से मारना असंभव हो जाता है और यहीं एंटीबायोटिक रेजिस्टेंट बैक्टीरिया कहलाते हैं।

साल 2019 में हुई 12 लाख से अधिक मौतें

एक अध्ययन के अनुसार, साल 2019 में दुनियाभर में एंटीबायोटिक रेजिस्टेंट बैक्टीरिया के संक्रमण के कारण 12.70 करोड़ से अधिक लोगों की मौत हुई हैं। ग्लोबल रिसर्च ऑन एंटीमाइक्रोबियल रेसिस्टेंस रिपोर्ट में दुनिया के 204 देशों और क्षेत्रों में एंटीमाइक्रोबियल रेसिस्टेंस के प्रभाव का अनुमान लगाने के लिए सांख्यिकीय मॉडलिंग का उपयोग किया गया था। इस अध्ययन से स्पष्ट है कि आवश्यकता से अधिक एंटीबायोटिक का इस्तेमाल मौत का कारण भी बन सकता है।

2019 में भारत में 47 प्रतिशत से अधिक एंटीबायोटिक फॉर्मूलेशन अस्वीकृत– अध्ययन

एक अध्ययन के अनुसार, साल 2019 में भारत के निजी क्षेत्र में इस्तेमाल किए गए 47 प्रतिशत से अधिक एंटीबायोटिक फॉर्मूलेशन को केंद्रीय दवा नियामक से स्वीकृति ही नहीं मिली है। 2022 में हुए इस शोध में पाया गया कि एजिथ्रोमाइसिन 500 एमजी टैबलेट भारत में सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला एंटीबायोटिक फॉर्मूलेशन (7.6 प्रतिशत) था। इसके बाद सेफिक्साइम 200 मिलीग्राम टैबलेट की खपत 6.5 प्रतिशत रही है।

एंटीबायोटिक रेजिस्टेंट बैक्टीरिया से सुरक्षित रहने के लिए क्या करें?

हमेशा डॉक्टर की सलाह के बाद एंटीबायोटिक्स लें। अगर आपका एंटीबायोटिक्स का कोर्स पूरा होने के बाद इसकी गोलियां बच जाती हैं तो उन्हें कचरे में फेंक दें, क्योंकि जरूरी नहीं है कि अगली बार अन्य किसी बीमार के इलाज में वही एंटीबायोटिक्स असर करे। किसी दूसरे मरीज को डॉक्टर द्वारा लिखी एंटीबायोटिक का कभी भी खुद इस्तेमाल नहीं करना चाहिए, भले ही उसकी बीमारी के लक्षण आपसे मिलते–जुलते ही क्यों न हों। इसी तरह हाइजीन का ध्यान रखना चाहिए।

ब्लू कलर की बॉडीकॉन ड्रेस में वाणी कपूर लगीं गजब की बला

एक्ट्रेस वाणी कपूर भले ही फिल्मों की सुपरहिट से दूरी पर हों, लेकिन उनकी कातिलाना अदाएं सोशल मीडिया पर अक्सर

सुर्खियां बटोरती रहती हैं। वहीं, एक्ट्रेस वाणी कपूर ने ब्लू कलर के आउटफिट में अपनी ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं। वहीं, एक्ट्रेस वाणी कपूर की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। एक्ट्रेस वाणी कपूर अपनी दिलकश अदाओं से फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ाए रहती हैं। वाणी कपूर ने ब्लू कलर की बॉडीकॉन ड्रेस में अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट किया है। न्यूड मेकअप और स्टाइलिश हेयर स्टाइल में वाणी कपूर बेहद ही हॉट लग रही है। एक्ट्रेस वाणी कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वो अपनी तस्वीरे और वीडियो फैंस के लिए शेयर करती रहती हैं। इस ड्रेस में वाणी कपूर बेहद सुंदर और गजब की बला लग रही हैं। उनका कातिलाना लुक देखकर कोई भी फिदा हो जाए। वाणी कपूर ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरे अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया है। सोशल मीडिया पर वाणी कपूर की ये लेटेस्ट तस्वीरें सामने आते ही फैंस का हुजूम लाइक और कमेंट्स करने में जुट गया। बॉलीवुड स्टार रणबीर कपूर की फिल्म शमशेरा में नजर आईं थीं। हालांकि ये फिल्म बॉक्सऑफिस पर खासा कमाल नहीं दिखा पाईं। वाणी कपूर की इंस्टाग्राम पर जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। उनके इंस्टा पर 6.3 मिलियन फॉलोवर्स हैं।

इब्राहिम अली खान की पहली फिल्म के लिए सालों बाद साथ आए करण और काजोल

करण जौहर और काजोल ने कुछ कुछ होता है से लेकर दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे और कभी अलविदा ना कहना जैसी कई हिट फिल्मों में साथ काम किया है अब यह हिट जोड़ी फिर साथ आ रही है। दरअसल, काजोल ने करण के प्रोडक्शन हाउस की अगली फिल्म साइन कर ली है। यह वही फिल्म है, जिसके जरिए सैफ अली खान के 21 वर्षीय बेटे इब्राहिम अली खान अभिनय की दुनिया में कदम रखेंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, काजोल, इब्राहिम अली खान की पहली फिल्म से जुड़ गई हैं, जिसके निर्माता करण हैं। इस फिल्म का निर्देशन बोमन ईरानी के बेटे कायोज ईरानी कर रहे हैं। इसमें इब्राहिम के साथ काजोल लीड रोल में होंगी। करण और काजोल ने पिछली बार 2010 में आई फिल्म माय नेम इज खान में साथ में काम किया था। काजोल और करण 12 साल बाद फिर साथ काम करने के लिए बेहद उत्साहित हैं। करण की इस फिल्म की कहानी सुरक्षा बल पर आधारित होगी। फिल्म बड़े बजट में बन रही है, जो अगले साल रिलीज हो सकती है। करण, इब्राहिम को बॉलीवुड में लॉन्च करने के लिए तैयार हैं और उनकी पहली फिल्म को धमाकेदार बनाने में वह कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। करण के साथ रहकर ही इब्राहिम ने फिल्ममेकिंग की बारीकियां सीखीं। वह उनकी फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के सहायक निर्देशक रह चुके हैं। काजोल, इब्राहिम के पिता सैफ अली खान के साथ भी काम कर चुकी हैं। दोनों ने दिल्लगी और हमेशा जैसी फिल्मों में साथ काम किया। पिछली बार सैफ–काजोल फिल्म तानाजीरू द अनसंग वॉरियर में नजर आए थे, जो बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। काजोल पिछले कुछ समय से फिल्म सलाम वेंकी को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इसमें वह एक मां का किरदार निभा रही हैं। फिल्म सच्ची कहानी पर आधारित है, जिसमें एक मां अपने बेटे के सामने आने वाली हर चुनौती से लड़ती दिखाई देगी। फिल्म में काजोल के बेटे की भूमिका विशाल जेठवा ने निभाई है। फिल्म में राहुल बोस, राजीव खंडेलवाल, प्रकाश राज और अहाना कुमरा भी अहम भूमिकाओं में हैं। सलाम वेंकी 9 दिसंबर को सिनेमाघरों में आएगी। एक तरफ करण की फिल्म गोविंदा नाम मेरा चर्चा में है, जिसके हीरो विक्की कौशल हैं। दूसरी तरफ वह पहली बार अपने करियर की एक्शन एंटरटेनर फिल्म योद्धा लेकर आ रहे हैं, जिसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के निर्देशन की कमान करण संभाल रहे हैं, वहीं फिल्म दोस्ताना 2 भी उनकी आने वाली फिल्मों में शुमार है। करण फिल्म बेधड़क पर भी काम कर रहे हैं।

फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स': द इजरायली फिल्ममेकर नादव लपिड को विवेक अग्निहोत्री ने दिया करारा जवाब, कहा–सच खतरनाक होता है

फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' को 'दुष्प्रचार करने वाली' और 'भद्दी' फिल्म बताया। इफ्फी 2022 के समापन समारोह को संबोधित करते हुए लापिद ने कहा कि फिल्म समारोह में इस फिल्म का प्रदर्शन किए जाने से वह परेशान और हैरान हैं। अब फिल्म के निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने चल रहे विवाद पर प्रतिक्रिया देने के लिए ट्विटर का सहारा लिया। अपने ट्वीट में बिना नादव का नाम लिए उन्होंने लिखा– गुड मॉर्निंग, सच सबसे खतरनाक चीज है। ये लोगों को झूठा बना सकता है। विवेक अग्निहोत्री ने नदव लैपिड के बयान पर प्रतिक्रिया दीः हाल ही में संपन्न हुए आईएफएफआई गोवा 2022 में द कश्मीर फाइल्स की स्क्रीनिंग की गई। अनुपम खेर ने गोवा में आयोजित स्क्रीनिंग में एक शक्तिशाली भाषण दिया। IFFI जूरी के अध्यक्ष और इजराइली फिल्म निर्माता नादव लापिड ने फिल्म महोत्सव के समापन समारोह में कहा, हम सब 'द कश्मीर फाइल्स' फिल्म से परेशान और हैरान हैं। यह हमें एक दुष्प्रचार वाली और भद्दी फिल्म की तरह लगी जो इतने प्रतिष्ठित फिल्म समारोह के एक कलात्मक और प्रतिस्पर्धी खंड के लिए अनुपयुक्त थी। लापिद ने कहा मैं इस भावना को आपके साथ खुले तौर पर साझा करने में सहज महसूस कर रहा हूं क्योंकि महोत्सव की भावना वास्तव में आलोचनात्मक चर्चा को स्वीकार कर सकती है जो कला और जीवन के लिए जरूरी है। नादव लैपिड ने कश्मीर की फाइलों को कहा वलगरः द कश्मीर फाइल्स पर नादव लापिड की कड़ी टिप्पणी ने विवाद खड़ा कर दिया। जूरी सदस्यों में से एक सुदीप्तो सेन ने हालांकि खुद को टिप्पणी से अलग कर लिया और कहा कि नादव लापिड की राय उनकी व्यक्तिगत टिप्पणी है। द कश्मीर फाइल्स 1990 में कश्मीर विद्रोह के दौरान कश्मीरी पंडितों के जीवन पर आधारित है। विवेक अग्निहोत्री द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अनुपम खेर, मिथुन चक्रवर्ती, पल्लवी घोष और दर्शन कुमार हैं। इजराइल और भारत के संबंध काफी मधुर रहे हैं। ऐसे में इजराइल किसी एक व्यक्ति के विचारों के कारण भारत के साथ अपने संबंधों को बिलकुल भी खराब नहीं करना चाहता हैं। ऐसे में नदव लापिद की फिल्म पर भद्दी टिप्पणी के बाद इजरायली दूत नोर गिलोन का बयान आया। इजरायली दूत नोर गिलोन ने इजराइली फिल्मकार नदव लापिद के बयान की निंदा की और उन्हें जवाब दिया। अपनी जड़ों का उल्लेख करते हुए इजरायली दूत नोर गिलोन ने फिल्म निर्माता नदव लापिड की भारतीय फिल्म, द कश्मीर फाइल्स के बारे में की गई टिप्पणी की निंदा और एक ओवन लेटर लिखा। उन्होंने नदव लैपिड को लताड़ लगाते हुए कहा, आपको शर्म आनी चाहिए। भारतीय संस्कृति में मेहमान को भगवान कहा जाता है। आपने ष्थ्थ् गोवा में जजों के पैनल की अध्यक्षता करने के लिए भारतीय निमंत्रण के साथ–साथ उनके भरोसे, सम्मान और गर्मजोशी भरे स्वागत का सबसे खराब तरीके से दुरुपयोग किया है। हमारे भारतीय मित्रों ने भारत में इजराइल के प्रति प्रेम दिखाने के लिए हमें बुलाया था। शायद यही वह है कि उन्होंने आपको एक इजराइली और मुझे इजराइल के राजदूत के तौर पर आमंत्रित किया था। 'द कश्मीर फाइल्स' 11 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह इफ्फी के 'इंडियन पनोरमा सेक्शन' का हिस्सा थी और इसका 22 नवंबर को प्रदर्शन किया गया था। इस फिल्म के लेखक और निर्देशक विवेक अग्निहोत्री हैं। इसके निर्माता जी स्टूडियोज हैं। फिल्म पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों द्वारा कश्मीरी पंडितों की हत्या के बाद समुदाय के कश्मीर से पलायन पर आधारित है। इसमें अभिनेता अनुपम खेर, दर्शन कुमार, मिथुन चक्रवर्ती और पल्लवी जोशी समेत अन्य प्रमुख किरदारों में हैं।

घर पर आसानी से बनाए जा सकते हैं हेयर क्लींजर, जानिए पांच तरीके

सर्दियों के दौरान बालों से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करना पड़ जाता है। वहीं, रोजाना शैंपू करने से बालों की प्राकृतिक नमी निकल जाती है, जिससे स्कैल्प में खुरदरापन और रूखापन बढ़ सकता हैं क्योंकि ज्यादातर शैंपू में सिलिकॉन और सल्फेट्स जैसे तत्व होते हैं। हालांकि, घरेलू हेयर क्लींजर सुरक्षित होते हैं और बिना किसी नकारात्मक प्रभाव के बालों की कई समस्याओं का इलाज करते हैं। आइए आज पांच तरह के हेयर क्लींजर बनाने के तरीके जानते हैं। हर्बल हेयर क्लींजरः शिकाकाई, रीठा और आंवला से बना हर्बल हेयर क्लींजर बालों के विकास को बढ़ावा देगा, डैंड्रफ को कम करेगा और बालों के झडने को रोकने समेत बालों में चमक लाने में मदद कर सकता है। इसके लिए गरम पानी में शिकाकाई पाउडर, रीठा पाउडर और आंवला पाउडर मिलाएं। अब इस मिश्रण से अपने बालों और स्कैल्प की तीन–चार मिनट तक मसाज करें। फिर पांच मिनट बाद पानी से सिर को धो लें।

बनाना स्मूदी हेयर क्लींजरः दूध, शहद और केले के गुणों से भरपूर यह हेयर क्लींजर आपके बालों को घना, मजबूत और चमकदार बनाने के साथ–साथ बालों के रोमछिद्रों को नमी प्रदान कर सकता है। इसके लिए सबसे पहले एक ब्लेंडर में दूध, केला और शहद को तब तक फेंटें जब तक कि वह चिकना और गाढ़ा न हो जाए। इसके बाद इस पेस्ट से अपने बालों पर मसाज करें और कुछ मिनट बाद सामान्य तापमान वाले पानी से सिर को धो लें।

गुड़हल का हेयर क्लींजरः गुड़हल का फूल कई ऐसे पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जो बालों और स्कैल्प को गहराई से साफ करने समेत बालों के झडने और डैंड्रफ का इलाज करने में काफी मदद कर सकते हैं। इसका हेयर क्लींजर बनाने के लिए गुड़हल की पंखुडियों को थोड़े से पानी के साथ पीसकर पतला और चिकना मिश्रण बना लें। अब इस मिश्रण से अपने सिर की मसाज करने के पांच मिनट बाद इसे पानी से धो लें। खीरे का हेयर क्लींजरः यह हेयर क्लींजर आपके सिर की त्वचा को ठंडक देगा, बालों को मजबूत करने समेत इसके विकास को बढ़ावा देने में बहुत मदद कर सकता है। इसके लिए सबसे पहले नींबू के रस और खीरे के टुकड़ों को थोड़े से पानी के साथ ब्लेंड करें। अब इस मिश्रण से धीरे–धीरे अपने बालों की मसाज करें। इसके बाद अपने बालों को सामान्य पानी से धो लें। बेसन और दही हेयर क्लींजरः यह हेयर क्लींजर आपके स्कैल्प के पीएच स्तर को संतुलित करके रूखेपन से बचाने में मदद कर सकता है। इसमें शामिल दही स्कैल्प के संक्रमण से बचाता है और स्वस्थ बालों के विकास को बढ़ावा दे सकता है। इसके लिए थोड़ा दही समेत बेसन मिलाएं और इसे अपने बालों और स्कैल्प पर लगाकर अच्छे से मसाज करें और पांच मिनट बाद सामान्य पानी से सिर को धो लें।